किरोड़ीमल महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

NAAC A++, NIRF श्रेणी 9

विवरण-पत्रिका

2023-2024

" वयं विश्वे जागृयाम "

(हमें विश्व को उल्लासपूर्ण और प्रबुद्ध बनाए रखना चाहिए)

अस्वीकरण: यह विवरण-पत्रिका विद्यार्थियों से सम्बन्धित जानकारी को सुविधाजनक बनाने के लिए है। किसी विसङ्गति के सन्दर्भ में दिल्ली-विश्वविद्यालय के नियम और दिशानिर्देश मान्य होंगे।

विषयवस्तु

किरोड़ीमल महाविद्यालय के विषय में ____ 3
प्राचार्योद्बोधन ____ 4
प्रत्यायन ____ 5
विभिन्न स्नातक-पाठ्यक्रमों में छात्रों की प्रवेश सङ्ख्या ____ 6
श्रेणी-वार वितरण के साथ बीए (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश संख्या ____ 7
(डिसिप्लीन के साथ) ____ 7
स्नातक-पाठ्यचर्या-रूपरेखा (यूजीसीएफ) ____ 8
प्रवेश - सामान्य जानकारी ____ 8
नियम और अध्यादेश ____ 10
प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण बिन्दु ____ 14
छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार ____ 16
वित्तीय सहायता ____ 17
आधारभूत संरचना ____ 18
पदाधिकारी ____ 21
नोडल अधिकारी ____ 22
प्रवेश हेल्पडेस्क ____ 22
शिक्षक प्रभारी ____ 23
समितियाँ एवं संयोजक ____ 24
विभाग एवं संकाय-सदस्य ____ 27
महाविद्यालय-समिति ____ 44
अतिरिक्त छात्र सोसायटी ____ 50
वर्ष 2021-2022 के लिए शैक्षणिक पुरस्कार ____ 55
हमारा वैभव ____ 61
हमारे भर्तीकर्ता ____ 62
हमारे उल्लेखनीय पूर्व छात्र ____ 63
शैक्षणिक कैलेंडर (2023-2024) ____ 64

किरोड़ीमल महाविद्यालय के विषय में

वर्ष 1954 में स्थापित किरोड़ीमल महाविद्यालय, समृद्ध अतीत की विरासत और आशाजनक भविष्य के साथ, दिल्ली विश्वविद्यालय के अग्रणी संस्थानों में से एक है। छह दशकों से अधिक की यात्रा में, महाविद्यालय अपनी साधारण शुरुआत से एक हलचल भरे संस्थान में विकसित हुआ है, जहां देश भर से हजारों छात्र रहते हैं। महाविद्यालय का उद्देश्य युवा-मस्तिष्क को रचनात्मकता और बुद्धि के सशक्त और मनमोहक वातावरण में समग्र रूप से तैयार करना है। केएमसी परिवार सर्वोत्तम शैक्षणिक प्रशिक्षण, ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो छात्र को चुने हुए अनुशासन में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

महाविद्यालय ज्ञान की खोज को बढ़ावा देता है, लेकिन पाठ्येतर गतिविधियों की श्रृंखला के माध्यम से स्वयं की खोज को भी उत्साहपूर्वक प्रोत्साहित करता है, जो छात्रों के कौशल को अधिक ऊँचाइयों तक पहुंचने में बढ़ा सकता है। थिएटर, कला और संगीत में उत्कृष्टता की हमारी परम्परा ने हमेशा संस्थान के शैक्षणिक ढांचे की समृद्धि को बढ़ाया है।

महाविद्यालय देश और विदेश से छात्रों को आकर्षित करता है और बहुसंस्कृतिवाद को प्रोत्साहन देने के लिए हितधारकों के जागरूक प्रयासों के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों के मिलन के रूप में कार्य करता है। महाविद्यालय में प्रोजेक्टर के साथ-साथ आईसीटी-सक्षम कक्षाएं, वाई-फाई सक्षम परिसर, आधुनिक प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय का स्वचालन और प्रशासन की सभी शाखाओं जैसे सभी आवश्यक आधारभूत ढांचे हैं। इन वर्षों में, महाविद्यालय ने पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत पुस्तकालय, एक अत्याधुनिक कंप्यूटर केन्द्र और एक सक्रिय प्लेसमेन्ट सेल जैसी शैक्षणिक सुविधाओं की एक प्रभावशाली श्रृङ्खला बनाई है।

केएमसी का विशाल परिसर, अपने लॉन, बगीचों और व्यापक मैदानों के साथ छात्रों के सम्पूर्ण विकास के लिए एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करता है। महाविद्यालय सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशाला, एनसीसी, एनएसएस और अन्य सहपाठ्यचर्या गतिविधियों के सङ्गठन को प्रोत्साहन देता है। मेधावी और जरूरतमंद छात्रों को कई छात्रवृत्तियाँ और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। महाविद्यालय छात्रों को केएमसी की विरासत को बनाए रखने के लिए आदर्श प्रदान करता है।

प्राचार्योद्बोधन

प्रिय विद्यार्थियों,

मैं किरोड़ीमल महाविद्यालय के परिसर में आपका स्वागत करता हूँ, जो देश के प्रमुख संस्थानों में से एक होने के साथ-साथ दिल्ली- विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयों में से एक है।

छात्र का महाविद्यालय-जीवन एक ऐसा द्वार है जिसे वह अपने विद्यालय-परिधि के अनुभवों के पश्चात् अत्यन्त आकाङ्क्षाओं, आशाओं और सपनों के साथ खटखटाता है। एक श्रेष्ठ महाविद्यालय के वातावरण में श्वास हेतु शुद्ध वायु, चयन की स्वतन्त्रता, उड़ने के लिए खुला आकाश एवम् अन्वेषण के लिए एक विशाल-स्थल होता है। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि किरोड़ीमल महाविद्यालय ने इन सभी विशेषताओं को अपनी आधारशिला में आत्मसात किया है। इस प्रकार यह आपको अपनी सभी आन्तरिक-सम्भावनाओं के साथ-साथ स्वयं के साक्षात्कार के लिए सभी मार्ग प्रशस्त करता है। विभाग-चयन की स्वतन्त्रता, आपकी ज्ञान-पिपासा की तृप्ति एवं शैक्षणिक प्रयासों की जिज्ञासाओं को सम्पूर्ण करने के लिए यहाँ हैं; महाविद्यालय की समितियाँ आपके भीतर की जन्मजात या अभी तक खोजी जाने वाली प्रतिभा के सामर्थ्य की आन्तरिक-ज्वाला को उद्दीप्त कर प्रोत्साहित करने के लिए यहाँ हैं, जिससे आप अपने अस्तित्व की आन्तरिक-सरिता के साथ बह सकें और परमानन्द के अथाह समुद्र-तल तक पहुँच एक दिन अपने आन्तरिक-सामर्थ्य के अनुभव का साक्षात्कार कर सकें।

मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि इस परिसर में आप अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ अनुभव करेंगे। यदि आप अपने जीवन के लक्ष्य के प्रति सम्पूर्ण-रूप से प्रतिबद्ध, समर्पित व दृढ़-सङ्कल्प हैं, तो यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि किरोड़ीमल महाविद्यालय अपने परिणामोन्मुख उपलब्धि-पथ (ट्रैक रिकॉर्ड) के लिए सम्पूर्ण रूप से क्रियात्मक, परिचालक व प्रेरणाप्रद है।

मैं, किरोड़ीमल महाविद्यालय-परिसर में आपके नवोत्साह व आनन्द का हार्दिक स्वागत करता हूँ। जीवन, आत्म-साक्षात्कार की कला के अतिरिक्त और कुछ नहीं व इस ज्ञान का माध्यम कोई और नहीं, अपितु आप स्वयं ही हैं। आइए, अपनी आन्तरिक प्रतिभा को पहचानें व विश्व को अपना श्रेष्ठतम प्रदान करें।

।। ईश्वर आपकी समस्त मनोकामनाएँ पूर्ण करें । शुभाशीष ।।

प्रो. दिनेश खट्टर

प्रत्यायन

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC)

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने किरोड़ीमल महाविद्यालय को उसके दूसरे चक्र में 3.54 के CGPA के साथ A++ ग्रेड की मान्यता दी है। महाविद्यालय इसके लिए आभारी है। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) संस्थान की 'गुणवत्ता स्थिति' की समझ प्राप्त करने के लिए महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों या अन्य मान्यता-प्राप्त संस्थानों जैसे उच्च शैक्षणिक संस्थानों (HEI) का मूल्याङ्कन और मान्यता प्रदान करती है। यह उपलब्धि शिक्षकों, छात्रों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के सहयोगात्मक प्रयासों से सम्भव हुई, जिन्होंने महाविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ देने के लिए अथक प्रयास किया।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, एनआईआरएफ द्वारा 2023 में महाविद्यालय श्रेणी के लिए नवीनतम भारत रैंकिंग में किरोड़ीमल महाविद्यालय को 9वें स्थान पर रखा गया है। महाविद्यालय ने पिछले वर्षों की तुलना में रैंक में तीव्रता से वृद्धि की है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा केएमसी को 2021 में महाविद्यालयों की अखिल भारतीय रैंकिंग में 17वां और 2022 में 10वां स्थान प्राप्त हुआ था।

इंडिया टुडे

किरोड़ीमल महाविद्यालय ने वर्ष 2023 में इंडिया टुडे रैंकिंग के लिए देश भर में सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय अनुभाग के तहत तीन श्रेणियों में आवेदन किया था। महाविद्यालय द्वारा प्राप्त रैंकिंग इस प्रकार है:

वर्ग	2023 रैंकिंग	2022 रैंकिंग
कला	6	7
विज्ञान	6	8
वाणिज्य	6	5

विभिन्न स्नातक-पाठ्यक्रमों में छात्रों की प्रवेश सङ्ख्या

अवधि	प्रवेश संख्या	सामान्य	अनुसूचित जाति (15%)	अनुसूचित जनजाति (7.5%)	अन्य पिछड़ा वर्ग (27%)	ईडब्ल्यूएस (10%)
बी.कॉम (ऑनर्स)	106	43	16	8	29	10
बी.कॉम(प्रोग्राम)	106	43	16	8	29	10
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	78	31	12	6	21	8
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	65	26	10	5	18	6
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	23	9	4	2	6	2
बी.ए. (ऑनर्स) उर्दू	23	9	4	2	6	2
बीएससी (प्रोग्राम) एप्लाइड साइंस (एनालिटिकल कैमिस्ट्रि)	39	16	6	3	11	3
बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (कंप्यूटर विज्ञान के साथ)	39	16	6	3	11	3
बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान के साथ)	144	58	22	11	39	14
बीएससी (प्रोग्राम) जन्तु विज्ञान	43	17	6	4	12	4
बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	49	19	7	4	14	5

बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	144	58	22	11	39	14
बीएससी (ऑनर्स) गणित	83	33	13	6	23	8
बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी	144	58	22	11	39	14
बीएससी (ऑनर्स) सांख्यिकी	49	19	7	4	14	5
बीएससी (ऑनर्स) जूलॉजी	49	19	7	4	14	5
कुल	**1400**	**562**	**212**	**108**	**385**	**133**

श्रेणी-वार वितरण के साथ बीए (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश संख्या (डिसिप्लीन के साथ)

संयोजन (जोड़)	कुल सीटें	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस
राजनीति विज्ञान और इतिहास	17	8	2	1	5	1
अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान	17	7	3	1	5	1
राजनीति विज्ञान और दर्शन	10	4	2	1	2	1
इतिहास और अर्थशास्त्र	10	4	2	1	2	1
दर्शन और इतिहास	10	4	2	1	2	1
अर्थशास्त्र और दर्शन	10	4	2	1	2	1
बंगाली डिसिप्लीन और राजनीति विज्ञान	8	3	1	1	2	1
बंगाली डिसिप्लीन और इतिहास	8	3	1	1	2	1
अंग्रेजी डिसिप्लीन और राजनीति विज्ञान	8	3	1	1	2	1
हिंदी डिसिप्लीन और राजनीति विज्ञान	8	3	1	1	2	1
कुल	106	43	17	10	26	10

स्नातक-पाठ्यचर्या-रूपरेखा (यूजीसीएफ)

यूजीसीएफ-2022 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) में परिकल्पित उच्च-शिक्षा के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, दार्शनिक आधार और समकालीन वास्तविकताओं को रेखाङ्कित करता है और उच्च शिक्षा की स्थिति के लिए आगे की राह तैयार करते हुए इन आधारशिलाओं को सिंक्रनाइज़ करने का प्रयास करता है। यूजीसीएफ-2022 वास्तव में शैक्षणिक वातावरण को आत्मसात करते हुए अनुसंधान, नवाचार, प्रशिक्षुता, सामाजिक आउटरीच, उद्यमिता और मानव ज्ञान और प्रयास के ऐसे क्षेत्रों के प्रति युवाओं को आकर्षित करने के लिए स्नातक स्तर पर शिक्षण-अधिगम की रूपरेखा तैयार करता है। अधिक जानकारी के लिए छात्र विश्वविद्यालय के वेबपेज पर जा सकते हैं

https://www.du.ac.in/index.php?page=nep-ugcf-2022-syllabi

एनईपी देखने के लिए: यूजीसीएफ 2022 पाठ्यक्रम।

प्रवेश - सामान्य जानकारी

सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी)

शिक्षा मन्त्रालय (एमओई) के तहत शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में सभी यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी (यूजी) -2023) आयोजित की गई है। कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) देश भर के उम्मीदवारों, विशेषकर ग्रामीण और अन्य दूरदराज के क्षेत्रों के उम्मीदवारों को एक साझा मंच और समान अवसर प्रदान करेगा और उन्हें विश्वविद्यालयों के साथ बेहतर संपर्क स्थापित करने में मदद करेगा। यह एकल परीक्षा उम्मीदवारों की व्यापक पहुंच को पूर्ण करने और विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रियाओं का हिस्सा बनने में सहायक होगी।

CUET(UG)-2023 का सञ्चालन राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) द्वारा किया जाता है। उम्मीदवार को ध्यान देना चाहिए कि एनटीए की भूमिका केवल सीयूईटी (यूजी)-2023 आयोजित करने, परिणाम घोषित करने और प्रवेश परीक्षा से सम्बन्धित प्रश्नों को सम्भालने तक ही सीमित है।

दिल्ली विश्वविद्यालय सीयूईटी (यूजी)-2023 के माध्यम से अपने स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता आवश्यकता की घोषणा करता है। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवार

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के लिए प्रवेश वेबसाइट (https://admission.uod.ac.in/) पर जा सकते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु उम्मीदवार को सीयूईटी (यूजी)-2023 में शामिल होना होगा। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे CUET(UG)-23 (https://cuet.samarth.ac.in) की वेबसाइट देखें।

सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस)

दिल्ली विश्वविद्यालय अपने कॉलेजों के माध्यम से विभिन्न सङ्कायों अर्थात् कला, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी, शिक्षा, अन्तःविषय और अनुप्रयुक्त विज्ञान, सङ्गीत, वाणिज्य और व्यवसाय अध्ययन, गणितीय अध्ययन की विभिन्न धाराओं में अण्डर-ग्रेजुएट (यूजी) कार्यक्रम पेश करता है; विज्ञान, गणितीय विज्ञान और सामाजिक विज्ञान। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए, यूओडी के सभी महाविद्यालयों के सभी यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश केवल ऑनलाइन कॉमन यूनिवर्सिटी प्रवेश परीक्षा (अंडरग्रेजुएट) -2023 (सीयूईटी (यूजी) -2023) के आधार पर किया जाएगा।

केवल CUET(UG)-2023 में शामिल होना दिल्ली विश्वविद्यालय में सीट सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं होगी। यूओडी यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवार को कॉमन सीट आबण्टन प्रणाली सीएसएएस (यूजी) -2023 में आवेदन करना होगा । (https://admission.uod.ac.in/?UG-Admissions/Common-Seat-Allocation-System- यूजी-2023)

सीएसएएस (यूजी)-2023 यूओडी के सभी कॉलेजों के सभी यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल खिड़की के रूप में काम करेगा। यूओडी के किसी महाविद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक सभी उम्मीदवारों को केवल सीएसएएस (यूजी)-2023 के माध्यम से आवेदन करना चाहिए। केवल यूओडी (सीएसएएस(यूजी)-2023) के आधिकारिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से लिए गए और दिए गए प्रवेश ही वैध माने जाएंगे।

दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सामान्य न्यूनतम पात्रता मानदण्ड और कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता मानदण्ड के लिए सूचना के स्नातक बुलेटिन -2023

(यूजी बीओआई-2023) का उल्लेख करना चाहिए। विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के प्रवेश सम्बन्धित वेबपेज https://admission.uod.ac.in/?UG-Admissions पर जाना होगा।

नियम और अध्यादेश

ORD. XV-बी-छात्रों के बीच अनुशासन का रखरखाव

1) अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से सम्बन्धित सभी शक्तियाँ कुलपति में निहित हैं।

2) कुलपति सभी या ऐसी शक्तियां, जो वह उचित समझे, प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकता है, जिन्हें वह इस ओर से निर्दिष्ट कर सकता है।

3) अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित को घोर अनुशासनहीनता के कृत्य माना जाएगा:

   a) किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी;
   b) किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना;
   c) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लङ्घन;
   d) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लङ्घन;
   e) कोई भी प्रथा-चाहे मौखिक हो या अन्यथा-महिलाओं का अपमान करने वाली;
   f) किसी भी तरीके से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार करने का कोई प्रयास;
   g) संस्थागत सम्पत्ति का जानबूझकर विनाश;
   h) धार्मिक या साम्प्रदायिक आधार पर असहिष्णुता पैदा करना या असहिष्णुता;
   i) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना;
   j) अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग।

4. अनुशासन बनाए रखने से सम्बन्धित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग कर सकता है आदेश या निर्देश दें कि कोई भी छात्र या छात्राएँ:

क) निष्कासित किया जाए; या

ख) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाए; या

ग) किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय, विभाग या संस्थान में किसी पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा; या

घ) निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा; या

ङ) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में भाग लेने से वंचित किया जाएगा; या

च) कि संबंधित छात्र या छात्रा जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए हैं, उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

5) महाविद्यालयों के प्राचार्य, हॉल के प्रमुख, सङ्काय के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुख, प्राचार्य, पत्राचार पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा स्कूल और लाइब्रेरियन को अपने सम्बन्धित क्षेत्र में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा। विश्वविद्यालय में महाविद्यालय, संस्थान, सङ्काय और शिक्षण विभाग, सम्बन्धित विभागों में संस्थानों, हॉल और शिक्षण के उचित सञ्चालन के लिए आवश्यक हो सकते हैं। वे अपने महाविद्यालयों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं, या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं, जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

6) जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, सङ्कायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए।

7) प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक

क्षेत्राधिकार के अधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार निहित हो सकता है । विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए अधिनियमों, कानूनों, अध्यादेशों और नियमों के तहत।

ORD.XV-सी. रैगिंग का निषेध और सजा

1) महाविद्यालय/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबन्धित है।

2) रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।

3) इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का मतलब सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामाङ्कित छात्रों या ऐसे छात्रों पर लागू किया जाता है जो किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा कनिष्ठ या हीन माने जाते हैं और इसमें शामिल हैं व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ जो-

   क) इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है;
   ख) महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन;
   ग) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना;
   घ) छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए उजागर करना और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करना;
   ङ) इसमें मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।

4) किसी महाविद्यालय के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, महाविद्यालय के प्राधिकारी, विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

5) उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वतः सञ्ज्ञान लेते हुए जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।

6) प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारम्भिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।

7) यदि किसी महाविद्यालय के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से सन्तुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज किए जाने पर, ऐसी जांच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह कुलपति को सलाह दे सकते हैं, इसलिए,

8) जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जांच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अन्तिम होगा।

9) खण्ड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खण्ड (7) के तहत सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा खण्ड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर, कुलाधिपति किसी छात्र या छात्राओं को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।

10) रैगिंग के अन्य मामलों में कुलपति आदेश या निर्देश दे सकता है कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए न रखा जाए, किसी महाविद्यालय में अध्ययन के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाए, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा दी जाए या परिणाम न दिए जाएं। सम्बन्धित छात्र या छात्राएं जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए थे, उसे रद्द कर दिया जाए।

11) यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र इस अध्यादेश के तहत दोषी पाया जाता है तो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री वापस लेने के लिए कानून 15 के तहत उचित कारवाई शुरू की जाएगी।

12) इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।

13) दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों/निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।

प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण बिन्दु

1) दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी (यूजी) - 2023 में प्राप्त अङ्कों पर आधारित होगा, सिवाय मुक्त शिक्षा विद्यालय (एसओएल), नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) और विदेशी विद्यार्थियों के।

2) एक योग्य उम्मीदवार जो प्रवेश पाने का इच्छुक है, दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2023-24 इस बुलेटिन की सामग्री को अवश्य पढ़ें। दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश सम्बन्धित वेबसाइट पर इससे सम्बन्धित जानकारी, साथ ही सूचनाएं, अपडेट और नई जानकारी प्रकाशित है, उसे ध्यानपूर्वक पढ़े।

3) उम्मीदवार को बारहवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष कोई परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण होना चाहिए।

4) उम्मीदवार को किसी भी बोर्ड की बारहवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए/ जो भारत या किसी अन्य देश से विश्वविद्यालय परीक्षा 10 + 2 प्रणाली के बराबर भारतीय विश्वविद्यालय सङ्घ (एआईयू) द्वारा मान्यता प्राप्त हो।

5) दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, यह अनिवार्य है कि उम्मीदवार उन विषयों में सीयूईटी (यूजी) - 2023 में उपस्थित हो जिनमें वह 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर रहा है/उत्तीर्ण है।

6) यदि कक्षा XII में अध्ययन किए गए विषय का उल्लेख CUET (यूजी) - 2023 में नहीं किया गया है, ऐसी स्थिति में उम्मीदवार को अनिवार्यतः किसी भाषा / विषय विशेष के डोमेन में उपस्थित होना चाहिए जो कक्षा बारहवीं में अध्ययन किए गए विषय के समान/निकटता से सम्बन्धित हो (उदाहरण के लिए, यदि किसी उम्मीदवार ने कक्षा बारहवीं में जैव रसायन का अध्ययन किया है तो उसे सीयूईटी (यूजी)-2023 में जन्तु विज्ञान में उपस्थित होना चाहिए)।

7) प्रवेश केवल भाषा और / या किसी विषय विशेष डोमेन जिनमें उम्मीदवार सीयूईटी (यूजी) - 2023 में उपस्थित हुआ हो, उससे सम्बन्धित पाठ्यक्रम के विशिष्ट पात्रता के अनुसार सीयूईटी में प्राप्त अङ्कों के संयोजन के आधार पर होगा।

8) शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश हेतु केवल सीयूईटी (यूजी) - 2023 में प्राप्त अङ्कों पर विचार किया जाएगा।

9) उम्मीदवारों को पाठ्यक्रम-विशेष आवश्यकताओं का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए और फिर भाषा और / या विषय विशेष अनुक्षेत्र के अनुसार सीयूईटी(यूजी) -2023 में उपस्थित होना चाहिए।

10) उम्मीदवार को यह जांचने की सलाह दी जाती है कि वह उस पाठ्यक्रम के सभी मानदण्डों की पात्रता को पूरा करता/करती है, जिसकी प्रवेश परीक्षा में वह उपस्थित हो रहा/रही है। प्रवेश उम्मीदवार के उस पाठ्यक्रम सम्बन्धी सभी पात्रता मानदण्डों को पूरा करने के अधीन है जिस पाठ्यक्रम में उसने आवेदित किया है। यदि कोई उम्मीदवार सम्बन्धित पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित किसी भी पात्रता या मानदण्डों को पूरा नहीं करता/करती है और प्रवेश परीक्षा शामिल होता/होती है तो इसमें उम्मीदवार अपने जोखिम पर शामिल है। यदि किसी भी स्तर पर, यह पाया जाता है कि पात्रता आवश्यकताएं पूरी नहीं हैं तो अनुमोदित प्रवेश प्रक्रिया या प्रवेश पूरा होने पर भी यह स्वतः सिद्ध है कि प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।

11) सीयूईटी (यूजी) - 2023 के लिए पञ्जीकरण करने से पहले, उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि 'दिल्ली अधिनियम, 1922 और संविधियां' सूचना के बुलेटिन को ध्यान से पढ़ें और विश्वविद्यालय से परामर्श करें। दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम, विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जो उसके लिए जरूरी होगी।

12) उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) -2023 फॉर्म में नाम, हस्ताक्षर, और फोटोग्राफ जैसी कुछ जानकारियाँ भरते समय विशेष सावधान रहना चाहिए; जो बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सीयूईटी (यूजी) -2023 में उम्मीदवार को स्वतः-एकीकृत कर देगा। ये क्षेत्र (जानकारियाँ) सम्पादन (एडिटेबल) योग्य नहीं होंगे।

13) दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश-I के अनुसार विश्वविद्यालय और उसके महाविद्यालयों के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सम्बन्धी कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, उन पाठ्यक्रमों को छोड़कर जहां इसके सम्बन्धित नियामक निकाय, जैसे कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इण्डिया (एमसीआई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इण्डिया (बीसीआई), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद

(एनसीटीई), दन्त चिकित्सा परिषद भारत (डीसीआई), आदि में न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित की गई है।

14) स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु अकादमिक सत्र में अन्तराल (गैप ईयर) कोई बाधा नहीं होगी। हालांकि, ऐसे उम्मीदवारों को भी शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2023 में उपस्थित होना होगा।

15) आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम प्रमाण-पत्र (आरक्षण सम्बन्धी) उसके द्वारा उत्तीर्ण सम्बन्धित विद्यालय के बोर्ड द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र से बिलकुल मेल खाना चाहिए जैसा कि उसने सीयूईटी (यूजी) - 2023 में भरा है। इसी तरह, प्रमाण पत्र में माता-पिता के नाम भी मेल खाने चाहिए।

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

a) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित छात्र शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं।

b) राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति योजना के तहत, जिन छात्रों ने अपनी पिछली सार्वजनिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी (60% अंक या अधिक) प्राप्त की है, वे महाविद्यालय के माध्यम से ऋण(लोन) के लिए आवेदन कर सकते हैं।

c) महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक पुरस्कार इस प्रकार हैं:

शैक्षणिक पुरस्कार	पुरस्कृत विद्यार्थियों की संख्या
एनएस प्रधान पुरस्कार	5
डॉ. एन. सुब्रह्मण्यम पुरस्कार	2
एनएस खरे पुरस्कार	1
डॉ. वाईएन भट्ट पुरस्कार	1
जय देव पुरस्कार	1
गंगा सरन पुरस्कार	1
सुल्तान चंद मेमोरियल पुरस्कार	1

सुल्तान चंद द्रोपदी देवी मेमोरियल पुरस्कार	1
श्री ओमप्रकाश स्मृति पुरस्कार	3
बीडी सिंगल	3
रसायन विज्ञान में डॉ. वीपी शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति	3
गणित में डॉ. वीपी शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति	3
श्री सत्यदेव नारायण स्मृति सम्मान हिंदी विषय में	1

वित्तीय सहायता

a) योग्य छात्रों के लिए शुल्क रियायत के रूप में वित्तीय सहायता उपलब्ध है। इस प्रयोजन के लिए अधिसूचित तिथि से पहले निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन आवेदन जमा किए जाने चाहिए। किसी भी छात्र को वित्तीय सहायता देने पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि उन्होंने अधिसूचित तिथि तक आवेदन जमा नहीं कर दिया हो।

b) विश्वविद्यालय द्वारा अनुमत शुल्क रियायत के अलावा, महाविद्यालय के पास एक छात्र सहायता निधि और छात्र कल्याण कोष है जिसमें से यह जरूरतमन्द छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पात्रता शर्तों के बारे में विवरण महाविद्यालय कार्यालय के पास उपलब्ध हैं।

c) कुछ राज्य सरकार फ्रीशिप विशेष श्रेणियों से संबंधित छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे पुरस्कारों के संबंध में जानकारी महाविद्यालय नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी। इन फ्रीशिप के लिए आवेदन अधिसूचित तिथि तक महाविद्यालय के माध्यम से किया जाना है।

d) सशस्त्र बलों के मृत/पूर्व-सेवा कर्मियों की विधवाओं और वार्डों के लिए तकनीकी और स्नातकोत्तर शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 'प्रधानमन्त्री छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएस) लागू की जा रही है। इस योजना को प्रधानमन्त्री कार्यालय द्वारा प्रशासित राष्ट्रीय रक्षा कोष से वित्त पोषित किया जाता है। विभिन्न तकनीकी संस्थानों (चिकित्सा, दन्त-चिकित्सा, पशु-चिकित्सा, इंजीनियरिंग, एमबीए, एमसीए और एआईसीटीई/यूजीसी अनुमोदन वाले अन्य समकक्ष तकनीकी संस्थानों) में शिक्षा के लिए छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं।

आधारभूत संरचना

पुस्तकालय

एन.एस. प्रधान मेमोरियल लाइब्रेरी दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे व्यापक(गहन) पुस्तकालयों में से एक है। यह महाविद्यालय की सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करता है और इसमें फिक्शन और नॉन-फिक्शन ग्रन्थों का एक उत्कृष्ट सङ्ग्रह और सामान्य ज्ञान के लिए विभिन्न प्रकार की पुस्तकें भी हैं। यह पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है, जिसमें लगभग 1.5 लाख पुस्तकें हैं और लगभग 350 छात्र इसमे बैठ सकते हैं। पुस्तकालय विभिन्न विषयों में 52 पत्रिकाओं, 30 सामान्य पत्र / पत्रिकाओं और 16 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। पोर्टल रूम में छात्रों और शिक्षकों के लिए इण्टरनेट सुविधा उपलब्ध है। परामर्श के लिए प्रथम तल पर एक बहुत अच्छे सङ्ग्रह के साथ एक सन्दर्भ अनुभाग भी स्थित है।

भूतल पर दृष्टिबाधित छात्रों को JAWS के नवीनतम संस्करण के साथ एक नया कम्प्यूटर-कक्ष प्रदान किया गया है। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी खरीदी गई है। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ब्रेल में 81 पुस्तकों, 22 टेप रिकॉर्डर, 100 ऑडियोकैसेट और 25 आईपॉड का सङ्ग्रह है। महाविद्यालय पुस्तकालय दृष्टिबाधितों के लिए पत्रिकाओं की सदस्यता भी लेता है।

प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सभी विज्ञान पाठ्यक्रमों - भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र और वनस्पति-विज्ञान के लिए आधुनिक, अच्छी तरह से सुसज्जित और कुशलतापूर्वक प्रबन्धित प्रयोगशालाएँ हैं। इनके अलावा, भूगोल, कम्प्यूटर-विज्ञान और साङ्ख्यिकी विभागों की भी अपनी प्रयोगशालाएँ हैं।

संगोष्ठी कक्ष

संगोष्ठी कक्ष इण्टरैक्टिव सेमिनार, चर्चा-परिचर्चा, समिति की बैठकों और रोजगारपरक मार्गदर्शन सत्रों के लिए एक स्थान के रूप में कार्य करता है। उपलब्ध ऑडियो-विज़ुअल सुविधाएं इसे फिल्म स्क्रीनिंग और कार्यशालाओं के लिए आदर्श स्थान बनाती हैं।

बैंकिंग और एटीएम सुविधा

महाविद्यालय परिसर में एक बैंक और दो एटीएम हैं। पंजाब नेशनल बैंक किरोड़ीमल महाविद्यालय में एक एम्बेडेड एटीएम के साथ एक एक्सटेंशन काउंटर चलाता है। बैंकिंग सुविधाएं कर्मचारियों और छात्रों दोनों के लिए सुलभ हैं।

जलपान-गृह

किरोड़ीमल महाविद्यालय के जलपान-गृह में हमेशा से ही खाने और मौज-मस्ती के लिए शानदार माहौल रहा है। यह उचित दरों पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ उपलब्ध कराता है। यह विशाल, स्वच्छ और स्वास्थ्यपरक है। जलपान-गृह के बाहर का लॉन माहौल में चार-चाँद लगा देता है।

सेंट्रल कम्प्यूटर लैब

पूरी तरह से वातानुकूलित कम्प्यूटर सुविधा छात्रों को आज की सूचना प्रौद्योगिकी की दुनिया में उभरते रुझानों से अवगत रहने में सक्षम बनाती है। इस सुविधा में छात्रों को उनके कम्प्यूटर कौशल को सँवारने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

पोर्टल कक्ष

पूरी तरह से वातानुकूलित प्रयोगशाला छात्रों को अकादमिक उद्देश्यों के लिए इण्टरनेट उपयोग को प्रोत्साहित करती है। यह कई विश्वविद्यालयों द्वारा प्रायोजित पत्रिकाओं तक निःशुल्क पहुँच प्रदान करता है। यह शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रिण्टआउट सुविधा भी प्रदान करता है।

व्यायामशाला

महाविद्यालय में कर्मचारियों और छात्रों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित, अत्याधुनिक, पर्यवेक्षित व्यायाम सुविधा है। यह ट्रेडमिल, व्यायाम बेंच और अन्य भार प्रशिक्षण उपकरणों से सुसज्जित है।

छात्रावास

छात्रावास महाविद्यालय परिवार का अभिन्न अंग है। छात्रावास महाविद्यालय परिसर में 89 कमरों के साथ स्थित है, इसमें 150 से अधिक छात्र रह सकते हैं। छात्रावास महाविद्यालय के शैक्षणिक और पाठ्येतर वातावरण में जोश और प्रतिबद्धता का एक आयाम जोड़ता है। सम्पूर्ण छात्रावास परिसर वाई-फाई सक्षम है और इण्टरनेट सुविधाओं तक निःशुल्क पहुँच की अनुमति देता है। इसके अलावा, छात्रावास परिसर के सामान्य क्षेत्रों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की सहायता से अपने निवासियों को 24x7 सुरक्षा प्रदान करता है। छात्रावास में रसोईघर, डाइनिंग हॉल, कॉमन रूम, वाचनालय, छात्रावास कार्यालय और छात्रावास वार्डन कार्यालय जैसे विभिन्न अनुभाग हैं।

स्टाफ-कक्ष

महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक आरामदायक, वातानुकूलित और विशाल स्टाफ रूम है। यह कम्प्यूटर क्यूबिकल और इण्टरनेट एक्सेस से सुसज्जित है, और इसमें एक समर्पित चाय-कक्ष भी है।

चिकित्सकीय सुविधाएँ

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वविद्यालय के WUS स्वास्थ्य केन्द्र में अपना नामांकन कराएँ। महाविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी सलाह और परामर्श के लिए उपलब्ध हैं।

छात्र विनोद कक्ष

महाविद्यालय में छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग कॉमन रूम हैं। इनमे टेलीविजन सेट और इनडोर गेम्स की सुविधा उपलब्ध है।

मानसिक स्वास्थ्य संसाधन

महाविद्यालय ने एक वेलनेस सेंटर की स्थापना की है, जो छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए एक प्रशिक्षित परामर्शदाता की सेवाएँ उपलब्ध कराता है। लॉकडाउन की अवधि के दौरान, महाविद्यालय ने काउंसलर के साथ ऑनलाइन और फोन सत्रों के माध्यम से छात्रों को सुविधा और सहायता प्रदान की। वेलनेस सेण्टर की सेवाओं का लाभ उठाने वालों के नाम और विवरण के सम्बन्ध में सख्त गोपनीयता बनाए रखी जाती है।

पदाधिकारी

शासी-निकाय (नियामक-मण्डल)	
अध्यक्ष	श्री चन्द्र वाधवा
विश्वविद्यालय कोषाध्यक्ष	श्री नवल किशोर
सदस्य	प्रो. राजेश
सदस्य	प्रो. राजीव गुप्ता
सदस्य	प्रो. अबन्ति भट्टाचार्य
सदस्य	प्रो. जनार्दन साहु
सदस्य	प्रो. गुंजन गुप्ता
सदस्य	प्रो. कुमुद शर्मा
सदस्य	प्रो. बी.डब्ल्यू. पाण्डेय
महाविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि	प्रो. प्रतिभा कुमार
महाविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि	डॉ. मुजीब अहमद खान
सदस्य-सचिव	प्राचार्य

प्रशासन	
प्राचार्य	प्रो. दिनेश खटटर
लोक सुचना अधिकारी	डॉ. धीरज कुमार
छात्रावास वार्डन	प्रो.सुभाष कुमार सिंह
बरसर	प्रो. कल्पना भरारा
संयोजक आईक्यूएसी	डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी
प्रॉक्टर	प्रो. रसाल सिंह
प्रशासी अधिकारी	मंजू जैन
प्रवेश सहायक	श्री बारू सिंह
अनुभाग अधिकारी (कार्यवाहक)	श्री राजीव

नोडल अधिकारी

एआईएसएचई	प्रो. राकेश कुमार पांडेय मोबाइल: 9811170889 ईमेल: rkpandey@kmc.du.ac.in
वीएसी/एसईसी	प्रो. वंदना सरीन वालिया मोबाइल: 8285900700 ईमेल: vandana_s_walia@yahoo.co.in
लोक शिकायतें	श्री धीरज कुमार मोबाइल: 9818875369 ईमेल: khirajdu767@gmail.com
पीडबल्यूडी	प्रो. रजनी गुप्ता मोबाइल: 9873345150 ईमेल: rajnigupta68@rediffmail.com
उत्तर-पूर्व राज्य के छात्र	डॉ. एम. रामानंद सिंह मोबाइल: 9625160097 ईमेल: rsingh@kmc.du.ac.in
ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल छात्रवृत्ति	डॉ. सुनील कुमार धीमन मोबाइल: 9811120249 ईमेल: sukukhiman0206@gmail.com
परीक्षा	श्री सौम्यजीत भट्टाचार्य मोबाइल: 9818594580 ईमेल: saumyagitb@gmail.com

प्रवेश हेल्पडेस्क

संयोजक	प्रो. कृष्ण कमल हलदर मोबाइल: 9968618425 ईमेल: kkhalder@kmc.du.ac.in

संयोजक, सहायता केंद्र	डॉ. सुमित कुमार शर्मा मोबाइल: 9891805255 ईमेल: sksharma@kmc.du.ac.in
संयोजक, उप-समिति, एससी/एसटी/ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी के लिए हेल्पडेस्क	श्री. प्रद्युम्न कुमार सेठी मोबाइल: 8178868148 ईमेल: psethy@kmc.du.ac.in
संयोजक, शिकायत निवारण समिति	डॉ. सुनील कुमार सिंह मोबाइल: 9873106251 ईमेल: chem.sunil@kmc.du.ac.in
संयोजक, उप-समिति, एससी/एसटी/ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी के लिए शिकायत निवारण समिति	डॉ. अखिलेश भारती मोबाइल: 8506876628 ईमेल: khilesshu86@kmc.du.ac.in

शिक्षक प्रभारी

विभाग	शिक्षक प्रभारी	ईमेल
बंगाली	डॉ. दीपक मैती	divakmaiti.du@gmail.com
वनस्पति-विज्ञान	डॉ. सुनील कुमार धीमन	sukudhiman0206@gmail.com
रसायन-विज्ञान	डॉ. शालिनी बक्शी	shalini.baxi@gmail.com
वाणिज्य	मनीषा	manisha1095@gmail.com
कंप्यूटर-विज्ञान	गीतांजली खेर	geetanjalikher@gmail.com
अर्थशास्त्र	डॉ. प्रतिभा मदान	pratibh.703@gmail.com
अंग्रेज़ी	डॉ. सत्येन्द्र कुमार	dr.satyenderkumar@yahoo.com
भूगोल	डॉ. खुसरो मोईन	khusrokmc@gmail.com
हिंदी	प्रो.प्रज्ञा	rakeshpragya@gmail.com

इतिहास	डॉ. विक्रम सिंह चौधरी	vikramchoudhary30@gmail.com
गणित	प्रो. शिव कुमार कौशिक	shikk2003@yahoo.co.in
दर्शनशास्त्र	डॉ. राजीब रे	rajibraykmc@gmail.com
शारीरिक-शिक्षा	प्रो. बेनु गुप्ता	drbenuguru@yahoo.co.in
भौतिक विज्ञान	डॉ. संगीता डी. गद्रे	sdgadre@gmail.com
राजनीति विज्ञान	प्रो. रूपिंदर ओबेरॉय	roopinderoberoi36@rediffmail.com
संस्कृत	डॉ. हरेती लाल मीना	hareteejnu@gmail.com
साङ्ख्यिकी	डॉ. सुरेंद्र कुमार	Surender.stats@gmail.com
उर्दू	प्रो. मोहम्मद याह्या	urisath@yahoo.com
प्राणी-विज्ञान	डॉ. गौरी गर्ग	gaurigargdhingra@gmail.com

समितियाँ एवं संयोजक

प्रशासनिक समितियाँ	
सचिव, कर्मचारी परिषद	श्री राम सुनील कुमार लालजी
समिति	**संयोजक**
प्रवेश समिति (स्टैंडिंग कमेटी)	प्रो. कृष्ण कमल हलदर
बीए (प्रोग्राम) प्रवेश समिति	डॉ. मंजू रानी
बी.कॉम.(प्रोग्राम) प्रवेश समिति	श्री आकाश पुनीत
पीडब्ल्यूडी प्रवेश समिति	प्रो. सोमेश्वर सती
समय-सारणी समिति	श्री रुद्राशीष चक्रवर्ती
विकास एवं रखरखाव समिति	डॉ. सुनील कुमार सिंह
पुस्तकालय समिति	डॉ. अमित कुमार सुमन
शुल्क रियायत समिति	प्रोफेसर कल्पना भरारा
विदेशी छात्र समिति	डॉ. प्रद्युम्न कुमार सेठी
प्रॉक्टर एवम् अनुशासन समिति	प्रो. रसाल सिंह
प्रोविडेन्ट फण्ड समिति	डॉ. राजीब रे

उद्यान समिति	प्रो. रजनी गुप्ता
पोर्टल समिति	डॉ. एसपी त्रिपाठी
कैंटीन समिति	प्रो. बेनु गुप्ता
छात्रावास प्रवेश समिति	प्रो. सुभाष कुमार सिंह
नई पेंशन योजना समिति	प्रो. गीतांजली
पूर्व छात्र समिति	डॉ. अभिषेक वर्मा
आईटी के लिए समन्वय समिति	प्रो. राकेश कुमार पांडे
मीडिया समिति	डॉ. लुकराम इंगोचौबा मीतेई
ऑडिओ-विजुवल सुविधाएं और उपकरण-रखरखाव समिति	डॉ. अखिलेश भारती
स्पेस इन्फ्रास्ट्रक्चर समिति	डॉ. मोहम्मद बाबर अली
सामान्य पाठ्यक्रमों के लिए समिति	राम सुनील कुमार लालजी
विवरण-पत्रिका समिति	डॉ. सुमित कुमार शर्मा

अनिवार्य-छात्र-गतिविधि समितियाँ	
समिति	संयोजक
खेल परिषद	डॉ. विक्रम सिंह चौधरी
छात्र सङ्घ समिति	प्रो. अंशु
वार्षिक-पत्रिका समिति	डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमन
प्लेसमेण्ट सेल	डॉ. सत्येन्द्र कुमार
जिम समिति	श्री बी. सेमथांगा
उत्तर-पूर्व छात्र प्रकोष्ठ	डॉ. समीर लामा
एससी/एसटी सेल	डॉ. अंजलि प्रियदर्शनी

पाठ्येतर-गतिविधियाँ और कल्चरल सोसाइटी	
समिति	**शिक्षक सलाहकार**
परिवर्तन-द जेंडर फोरम	डॉ. शहाना भट्टाचार्य

प्रयास - सक्षम इकाई	प्रो. सोमेश्वर सती
द प्लेयर - थिएटर सोसायटी	डॉ. शालिनी बक्षी
डेब्सॉक - द डिबेटिंग सोसाइटी	श्री रुद्राशीष चक्रवर्ती
म्यूजॉक - द म्यूजिक सोसाइटी	श्री सौम्यजीत भट्टाचार्य
एफएपीएस - ललित कला एवं फोटोग्राफी सोसायटी	डॉ. सागारिका दत्ता
मोंताज - द फिल्म सोसाइटी	श्री डी.आर. कापसे
सेन्सेशन - द डांस सोसायटी	प्रो. रूपिंदर ओबेरॉय
स्पिक मैके इकाई	डॉ. अंजलि प्रियदर्शनी

अतिरिक्त छात्र सोसायटी	
समिति	**संयोजक**
एडवेंचर क्लब	डॉ. मुजीब अहमद खान
इको क्लब	डॉ. रेनू कठपालिया
ला-वॉइस	सुश्री सुकन्या टिकादार
इनऐक्टस सोसायटी	डॉ. वंदना चौधरी
गोलमेज (राउण्ड टेबल)	डॉ. सत्येन्द्र कुमार
कर्त्तव्य- सिविल सर्विस सोसायटी	डॉ. लीना देवी

केवल पदेन सदस्यों से बनी समितियाँ	
समिति	**संयोजक**
विशेष प्रवेश और प्रवासन समिति	प्राचार्य
विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक वार्ड कोटा समिति	प्राचार्य
कार्य-भार समिति	सचिव, कर्मचारी परिषद
संस्कृति-परिषद	श्री सौम्यजीत भट्टाचार्य
प्रवेश शिकायत समिति	सचिव, कर्मचारी परिषद

विभाग एवं संकाय-सदस्य

बांग्ला विभाग

किरोड़ीमल महाविद्यालय में बांग्ला विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्यिक अध्ययन का एक अध्याय है। पाठ्यक्रम भारत की बहुलवादी भाषाई और सांस्कृतिक स्थिति में साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं। बंगाली विभाग ऑनर्स छात्रों के लिए क्रेडिट और गैर-क्रेडिट पाठ्यक्रम और बीए प्रोग्राम के छात्रों के लिए भाषा और अनुशासन पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. दीपक मैती	पीएच.डी.

वनस्पति विज्ञान विभाग

किरोड़ीमल महाविद्यालय का वनस्पति विज्ञान विभाग जुलाई 1973 में अस्तित्व में आया जब बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान और बी.एससी. (सामान्य समूह) की कक्षाएँ प्रारंभ की गईं। इससे पहले केवल प्री-मेडिकल पाठ्यक्रम के निर्देशों के लिए जन्तु विज्ञान विभाग था। किरोड़ीमल महाविद्यालय में 'मेदिनी' बॉटनिकल सोसायटी की शुरुआत साहसिकता की भावना को विकसित करने, पाठ्यपुस्तकों में जो उपलब्ध है उससे परे सीखने और जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से की गई थी। विभाग "पर्यावरण पर कुलपति रोलिंग शील्ड" के लिए एक वार्षिक अन्तर-महाविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित करता है। रोलिंग शील्ड की स्थापना 1983 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गुरबक्स सिंह द्वारा की गई थी। शील्ड की स्थापना के पीछे मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति रुचि और जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण गतिविधियों के लिए एक मञ्च शुरू करना था। वनस्पति विज्ञान विभाग राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, फ्रेशर्स पार्टी, विदाई और वनस्पति भ्रमण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। 'सृष्टि'-वार्षिक वनस्पति उत्सव के प्रमुख तत्व के तहत, हर साल कार्यशालाएँ और सङ्गोष्ठियाँ एवं शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. रेनू कठपालिया	पीएच.डी.

2	डॉ. सुनील कुमार धीमन	पीएच.डी.
3	प्रो. रजनी गुप्ता	पीएच.डी.
4	डॉ. राम बाबू	पीएच.डी.
5	डॉ. विभा जी. चेकर	पीएच.डी.
6	डॉ. अर्चना सिंह	पीएच.डी.
7	डॉ. लीना शाक्य	पीएच.डी.
8	डॉ. यमल गुप्ता	पीएच.डी.
9	डॉ. आशीष अग्निहोत्री	पीएच.डी.
10	डॉ. यश मंगला	पीएच.डी.
11	डॉ. अजीमा बेगम	पीएच.डी.

रसायन-विभाग

किरोड़ीमल महाविद्यालय में रसायन-विज्ञान-विभाग महाविद्यालय के सबसे बड़े विभागों में से एक है। वर्ष 1954 में स्थापित, विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक माना जाता है। विभाग की अकादमिक सोसायटी हर साल सेमिनार, उत्सव और विभिन्न उद्योगों का दौरा आयोजित करती है। विभाग के पास स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लाभ के लिए पुस्तकों का एक समृद्ध सङ्ग्रह है। यह कई अन्ताराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिङ्क भी प्रदान करता है। विभाग ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं और शैक्षिक यात्राओं के रूप में उद्योग के साथ बातचीत के लिए एक मञ्च प्रदान करता है। यह कई प्रतिष्ठित सङ्गठनों के साथ मिलकर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. कल्पना भरारा	पीएच.डी.
2	डॉ. सुदीप्त घोष	पीएच.डी.
3	डॉ. ममता शर्मा (ईओएल)	पीएच.डी.
4	डॉ. शालिनी निगम	पीएच.डी.
5	डॉ. एम. रामानंद सिंह	पीएच.डी.

6	श्री राम सुनील कुमार लालजी	पीएच.डी.
7	प्रो. रीना सक्सेना	पीएच.डी.
8	प्रो. गीतांजली	पीएच.डी.
9	डॉ. रूपेश कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. सुनील कुमार सिंह	पीएच.डी.
11	डॉ. किरण अरोड़ा	पीएच.डी.
12	डॉ. शालिनी बक्षी	पीएच.डी.
13	डॉ. पलाश ज्योति दास	पीएच.डी.
14	डॉ. प्रियंका झाझरिया	पीएच.डी.
15	डॉ. पनमेई गैजॉन	पीएच.डी.
16	डॉ. सारिका तेजस्वी	पीएच.डी.
17	डॉ. अखिलेश भारती	पीएच.डी.
18	डॉ. रुचि शर्मा पांडे	पीएच.डी.
19	डॉ. शाश्वत मल्होत्रा	पीएच.डी.
20	डॉ. भगत सिंह भाकुनी	पीएच.डी.
21	डॉ. हेमलता वशिष्ठ	पीएच.डी.
22	डॉ. अरुण कांत	पीएच.डी.
23	डॉ. अभिषेक वर्मा	पीएच.डी.
24	डॉ. जय प्रकाश चौधरी	पीएच.डी.
25	डॉ.कमलेश कुमार	पीएच.डी.
26	श्री दीपक कुमार	एम.एससी
27	डॉ. शमसीर कुलंगरा कंडी	पीएच.डी.
28	डॉ. मुकेश चंद्र जोशी	पीएच.डी.
29	डॉ. स्वाति बिश्नोई	पीएच.डी.
30	डॉ. रुचि श्रीवास्तव	पीएच.डी.
31	डॉ. अजय प्रताप सिंह	पीएच.डी.

वाणिज्य-विभाग

1954 में स्थापित वाणिज्य-विभाग ने उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सफलतापूर्वक प्रयास किया है और इसलिए इसे वाणिज्य के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में से एक माना जाता है, जैसा कि नवीनतम एनआईआरएफ रैंकिंग से भी संकेत मिलता है। विभाग महत्वपूर्ण स्नातक पाठ्यक्रम यानी बी.कॉम(प्रोग्राम) और बी.कॉम (ऑनर्स) प्रदान करता है जिन्हें भारत और दुनिया भर के छात्रों द्वारा खूब सराहा जाता है। विभाग के पास संस्थान की सबसे प्रतिष्ठित और संपन्न सोसाइटियों में से एक, द कॉमर्स सोसाइटी है जो मजबूत अवसर प्रदान करती है, छात्रों के बीच रचनात्मकता और बौद्धिक गतिविधि को प्रोत्साहित करती है। इस उद्देश्य के लिए यह पूरे वर्ष वार्ता, व्याख्यान, समूह चर्चा, प्रतियोगिताएँ, सेमिनारों और सम्मेलनों की व्यवस्था करता है। इसके अलावा, वित्त और निवेश सेल भी मौजूद है, जो वित्त के प्रति उत्साही लोगों के बीच ज्ञान प्राप्त करने और साझा करने की दिशा में एक छात्र-सञ्चालित पहल है। वाणिज्य विभाग, 'कॉमर्सियो' की द्विवार्षिक ई-पत्रिका कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने का प्रतीक रही है, चाहे वह शिक्षा, कॉर्पोरेट जगत, उद्यमिता या खेल हो। पत्रिका वाणिज्य, वित्त और अर्थव्यवस्था से जुड़े समसामयिक विषयों पर शोध पत्र प्रदर्शित करती है जो हमारे पाठकों का मूल्यवर्धन सकते हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. उमा शर्मा	पीएच.डी.
2	प्रो. सीमा जोशी	पीएच.डी.
3	प्रो. पुष्पेंद्र कुमार	पीएच.डी.
4	सुश्री बलबीर कौर	एम.फिल.
5	डॉ. समीर लामा	पीएच.डी.
6	डॉ. लीना देवी	पीएच.डी.
7	डॉ. निधि शर्मा	पीएच.डी.
8	श्री विपिन कुमार	एम. कॉम.
9	श्री पंकज कुमार	एम.फिल.
10	सुश्री मनीषा	एम. कॉम.

11	श्री आकाश पुनीत	एम. फिल.
12	सुश्री संध्या रंगौर	एम. कॉम.
13	डॉ. ऐश्वर्या नागपाल	पीएच.डी.

कम्प्यूटर-विज्ञान-विभाग

कम्प्यूटर-विज्ञान-विभाग की स्थापना वर्ष 1981 में कम्प्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है। विकसित हो रही प्रौद्योगिकी और नवाचार की निरन्तर आवश्यकता के अनुपालन में, विभाग ने हमेशा भारत और विदेशों में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत गुणवत्ता वाले पेशेवरों को तैयार किया है। विभाग एप्लाइड साइंसेज पाठ्यक्रम बी.एससी. के भाग के रूप में एक स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। इस विभाग द्वारा पढ़ाए जाने वाले कुछ पाठ्यक्रम प्रोग्रामिंग और डेटा स्ट्रक्चर, कम्प्यूटर सिस्टम आर्किटेक्चर, ऑपरेटिंग सिस्टम और नेटवर्क, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और डेटाबेस, कम्प्यूटर विज्ञान प्रयोगशाला और सूचना विज्ञान हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. ममता सरीन	पीएच.डी.
2	गीतांजली खेर	एमसीए
3	शिखा जैन	एमसीए

अर्थशास्त्र-विभाग

विभाग छात्रों में बेहतर समाज के निर्माण की चेतना पैदा करने के साथ-साथ अकादमिक उत्कृष्टता को बनाए रखने का प्रयास करता है। विभाग में एक सक्रिय अर्थशास्त्र सोसायटी है, जिसके सदस्य ऑनर्स पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने वाले सभी छात्र हैं। इसका वार्षिक शैक्षणिक उत्सव, 'पेरेटो टाइम' अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के सबसे पुराने शैक्षणिक कार्यक्रमों में से एक है। यह छात्रों को सेमिनार, तर्क और विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालयों के छात्रों के साथ बातचीत के माध्यम से सीखने के लिए एक मञ्च प्रदान करता है। इकोनॉमिक्स सोसाइटी छात्र प्रतिनिधियों की एक निर्वाचित टीम के साथ लोकतान्त्रिक तरीके से कार्य करती

है। सोसायटी अपनी वार्षिक पत्रिका 'ओइकोस' भी निकालती है, जहाँ छात्र अपने विचार व्यक्त और साझा करते हैं। हर दो साल में, अरुण बोस मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला के हिस्से के रूप में एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया जाता है। श्री बोस एक महान् व्यक्ति थे, जिनकी 1961 से 1985 तक महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में एक सङ्काय सदस्य के रूप में उपस्थिति ने महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। यह उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर प्रभात पटनायक और प्रोफेसर अमिय कुमार बागची जैसे प्रख्यात विद्वानों ने अरुण बोस मेमोरियल व्याख्यान दिए हैं। नियमित गतिविधियों के अलावा, वर्ष भर अन्य सेमिनार, वार्ता और कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. टी. रवि कुमार	पीएच.डी.
2	श्री अजय रंजन सिंह	एम.फिल.
3	श्री सौम्यजीत भट्टाचार्य	एम.फिल.
4	डॉ. रबी शंकर प्रसाद	पीएच.डी.
5	श्री समीर कुमार सिंह	एम.फिल.
6	डॉ. विनीता	पीएच.डी.
7	डॉ. नीति खंडेलवाल गर्ग	पीएच.डी.
8	चित्रा वर्मा	एम.ए.
9	डॉ. प्रतिभा मदान	पीएच.डी.
10	नेहा वर्मा	एम.ए.
11	श्री सिद्धार्थ चन्द्र भुपेश	एम.ए.
12	अनु वर्मा	एम.ए.

अंग्रेजी-विभाग

किरोड़ीमल महाविद्यालय के अंग्रेजी-विभाग का महाविद्यालय के शैक्षणिक जीवन में हमेशा एक सम्मानित स्थान रहा है। विभाग का लक्ष्य अपने छात्रों को पढ़ने, समझने, लिखने और सम्पादन के कौशल में गहन आधार प्रदान करना है और उन्हें अपनी साहित्यिक और

अतिरिक्त-साहित्यिक प्रतिभाओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी, ग्रब स्ट्रीट, पूरे वर्ष विविध प्रकार की साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन करती है। यह अकादमिक सेमिनार, रचनात्मक कार्यशालाएँ और फिल्म स्क्रीनिंग और नियमित पुस्तक वाचन तथा चर्चाएँ आयोजित करता है। सोसायटी वार्षिक साहित्यिक उत्सव, 'बोहेमिया' का भी आयोजन करती है, जिसमें विश्वविद्यालय भर के अंग्रेजी विभागों की भागीदारी देखी जाती है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. संजय शर्मा	पीएच.डी.
2	श्री डी.आर. कापसे	एम.फिल.
3	प्रो. सोमेश्वर सती	पीएच.डी.
4	श्री देब दुलाल हलदर	एम.फिल.
5	श्री रुद्राशीष चक्रवर्ती	एम.फिल.
6	आम्रपाली बसुमतारी	एम.फिल.
7	डॉ. निवेदिता बसु	पीएच.डी.
8	डॉ. सौम्या गरिमा जयपुरियार	पीएच.डी.
9	सलोनी शर्मा	एम.फिल.
10	श्री पंकज भारती	एम.फिल.
11	डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमन	पीएच.डी.
12	डॉ. संजय वर्मा	पीएच.डी.
13	डॉ. सत्येन्द्र कुमार	पीएच.डी.
14	सुकन्या टिकादार	एम.फिल.
15	नीरु	एम.फिल.
16	तन्वी शर्मा	एम.फिल.
17	श्वेता शर्मा	एम.फिल.

भूगोल-विभाग

विभाग की स्थापना 1959 में हुई थी और इसे दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक माना जाता है। विभिन्न स्थलों पर व्यापक क्षेत्र कार्य छात्रों को देश में विविधता में एकता और विशाल भौतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक विविधताओं को समझने में मदद करता है। भू-स्थानिक कौशल विकसित करना और भूगोल के क्षेत्र में बदलती प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल बिठाना विभाग को गतिशील चरित्र प्रदान करता है। विभाग वार्षिक भूगोल महोत्सव "जियोटाइम" आयोजित करता है और वार्षिक पत्रिका "जियोलाइन" प्रकाशित करता है। एक मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क मार्गदर्शन प्रदान करने और अनुभव साझा करने के लिए युवा और पुराने भूगोलवेत्ताओं के बीच बातचीत सुनिश्चित करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. सीमा एम. परिहार	पीएच.डी.
2	प्रो.अंशु	पीएच.डी.
3	डॉ. करुणा श्री	पीएच.डी.
4	डॉ. खुसरो मोईन	पीएच.डी.
5	डॉ. मोहम्मद बाबर अली	पीएच.डी.
6	कंचना नरसिम्हन	एम.फिल.
7	डॉ. जीतेश राय	पीएच.डी.
8	डॉ. विजेंद्र कुमार पांडे	पीएच.डी.
9	डॉ. विनोद कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. सुमन दास	पीएच.डी.

हिन्दी-विभाग

हिन्दी-विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, अपनी सक्रियता और छात्र गतिविधियों से लम्बे समय से चर्चित रहा है। साहित्य, कला, सिनेमा और रचनात्मक लेखन जैसे विषयों के प्रति विभाग छात्रों को नई ऊर्जा से सञ्चालित करता रहा है। विभाग में अकादमिक गतिविधियाँ

इसके चार वर्षीय सत्रों में चलेंगी जिनमें छात्र-शिक्षक कक्षाओं और उनसे बाहर अनेक मञ्चों पर स्वस्थ संवाद करेंगे। इसके साथ ही छात्रों में साहित्य के प्रति गहरी अभिरुचि पैदा करना और भविष्य के लिए अनेक रचनात्मक अकादमिक क्षेत्रों में छात्रों को तैयार करना विभाग का दायित्व है। पाठ्यक्रम सहयोगी क्रियाओं द्वारा छात्र के व्यक्तित्व के बहुआयामी विकास के लिये विभिन्न विभागीय गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। अकादमिक सेमिनार, रचनात्मक लेखन-कविता, लघु कथा, लोक गीत आदि प्रतियोगिताएँ, हिन्दी-विभाग के छात्रों की अपनी भित्ति-पत्रिका नवकल्पना है और महाविद्यालय में पाँच- भाषा-अनुभागों के तहत प्रकाशित होने वाली पत्रिका न्यू आउटलुक भी है। इनके अन्तर्गत छात्र-सम्पादक और छात्र-लेखक विविध प्रकार के कार्य सीखते हैं।

हिन्दी-विभाग से उत्तीर्ण छात्र अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से नाम रौशन कर चुके हैं। अनेक विश्वविद्यालयों और विद्यालयों में वे योग्य शिक्षक के रूप में सक्रिय हैं। प्रशासनिक सेवाओं के साथ अनुवादक, भाषा अधिकारी,फ़िल्मों में पटकथा लेखक और सफल गीतकार हैं। अनेक छात्र प्रिण्ट और इलेक्ट्रोनिक माध्यमों में पत्रकार हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. बली सिंह	पीएच.डी.
2	प्रो. बीना जैन	पीएच.डी.
3	प्रो.प्रज्ञा	पीएच.डी.
4	प्रो. नामदेव	पीएच.डी.
5	प्रो. रसाल सिंह	पीएच.डी.
6	प्रो. शोभा कौर	पीएच.डी.
7	डॉ. ऋतु वार्ष्णेय गुप्ता	पीएच.डी.
8	डॉ. मंजू रानी	पीएच.डी.
9	डॉ. अमन कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. वेद प्रकाश	पीएच.डी.
11	डॉ. विनय कुमार गुप्ता	पीएच.डी.
12	डॉ. आलोक कुमार	पीएच.डी.
13	डॉ. मनोज कुमार	पीएच.डी.

इतिहास-विभाग

इतिहास-विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम छात्रों को अतीत का एहसास दिलाने का प्रयास करते हैं; उस सामाजिक, सांस्कृतिक और संस्थागत विकास से परिचित होना जिसने आज की दुनिया और विशेष रूप से भारत को जन्म दिया है; और एक अनुशासन के रूप में इतिहास की प्रकृति की समझ।

इतिहास का अनुशासन विश्लेषण की एक पद्धति है जो उन सन्दर्भों पर ध्यान केन्द्रित करती है जिनमें लोग रहते थे और काम करते थे। पाठ्यक्रम विभिन्न दृष्टिकोणों से, उन विचारों और संस्थानों - राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक - की जांच पर जोर देते हैं, जिनके द्वारा लोगों ने अपनी दुनिया को व्यवस्थित करने का प्रयास किया है। इतिहास- विभाग संस्कृतियों, इतिहास और परम्पराओं की बहुलता की भावना पैदा करने के लिए अपने ऑनर्स और अनुशासन धाराओं में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग शिक्षण की एक ऐसी विधा पर जोर देता है जो न केवल छात्रों को उस बहुसांस्कृतिक स्थिति के प्रति संवेदनशील बनाती है जिसमें हम रह रहे हैं बल्कि उन्हें अपने लिए एक सामाजिक पाठ पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। हिस्ट्री सोसाइटी इतिहासकारों के साथ खुले संवाद के लिए सेमिनार और वार्ता आयोजित करती है और दिसम्बर के पहले सप्ताह में अपना वार्षिक उत्सव मनाती है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	श्री संजय वर्मा	एम.फिल.
2	डॉ. वंदना चौधरी	पीएच.डी.
3	डॉ. शहाना भट्टाचार्य	पीएच.डी.
4	डॉ. मनोज शर्मा	पीएच.डी.
5	डॉ. अजीत कुमार	पीएच.डी.
6	श्री पुनीत यादव (अध्ययन अवकाश)	एम.फिल.
7	श्री धीरज कुमार	एम.फिल.
8	डॉ. अमित कुमार सुमन	पीएच.डी.
9	डॉ. विक्रम सिंह चौधरी	पीएच.डी.
10	डॉ. दुष्यंत कुमार	पीएच.डी.

11	डॉ. प्रभात कुमार	पीएच.डी.
12	डॉ. श्रवण कुमार	पीएच.डी.
13	डॉ. संजय कुमार	पीएच.डी.
14	डॉ. दीपक सोलंकी	पीएच.डी.

गणित-विभाग

किरोड़ीमल महाविद्यालय का गणित-विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक है। इसमें "टेन्सर्स" नामक एक सक्रिय गणित सोसायटी है जो हर साल गणितीय उत्सव आयोजित करती है। सोसायटी हर साल 'काजी-ज़मीरुद्दीन सेमिनार' का आयोजन करती है, जहां प्रख्यात गणितज्ञ छात्रों को गणित के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हैं। महाविद्यालय की लाइब्रेरी में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लाभ के लिए पुस्तकों का एक समृद्ध सङ्ग्रह है। गणित-विभाग का संकाय अपने छात्रों को महाविद्यालय में उनके शैक्षणिक जीवन में सर्वश्रेष्ठ हासिल करने में प्रतिबद्ध हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. प्रतिभा कुमार	पीएच.डी.
2	प्रो. दिनेश खट्टर	पीएच.डी.
3	प्रो. शिव कुमार कौशिक	पीएच.डी.
4	डॉ. प्रीति गर्ग	पीएच.डी.
5	डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी	पीएच.डी.
6	प्रो. राज कुमार	पीएच.डी.
7	श्री बी. सेमथांगा	एम.एससी.
8	डॉ. सुमित कुमार शर्मा	पीएच.डी.
9	डॉ. मीनू देवी	पीएच.डी.
10	श्री स्टैनज़िन दोर्जई	एमएससी
11	डॉ. अब्दुल गफ्फार खान	पीएच.डी.

12	डॉ. नेहा अग्रवाल	पीएच.डी.
13	डॉ. विजय सिंह	पीएच.डी.
14	डॉ. अविनाश दीक्षित	पीएच.डी.
15	डॉ. कविता गुप्ता	पीएच.डी.
16	भारती यादव	एम.एससी.
17	डॉ. प्रेमपाल सिंह	पीएच.डी.
18	श्री विशाल धवन	एम.फिल.

दर्शनशास्त्र-विभाग

विभाग विभिन्न बीए (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों के लिए पेपरों का एक विविध सेट प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम प्रथम और द्वितीय वर्ष के बीए (ऑनर्स) के पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। इन्हें अंतःविषय समवर्ती पाठ्यक्रम और अनुशासनात्मक समवर्ती पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जाता है। दर्शनशास्त्र-विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. राजीब रे	पीएच.डी.
2	डॉ. सागरिका दत्ता	पीएच.डी.

शारीरिक-शिक्षा-विभाग

किसी महाविद्यालय का लोकाचार उसके छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास से निर्धारित होता है। पाठ्येतर, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियाँ एक छात्र के व्यक्तित्व में बहुत योगदान देती हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग क्षेत्रीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। महाविद्यालय छात्रों को उनके पिछले तीन वर्षों की खेल उपलब्धियों और महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न पाठ्यक्रमों में खेल परीक्षणों के आधार पर प्रवेश देता है। विभाग खेल श्रेणी में प्रवेश के तहत उम्मीदवारों के चयन के लिए कठोर और वस्तुनिष्ठ मानदण्ड अपनाता है और चयनित लोगों को उनके सम्बन्धित क्षेत्रों में विकास के लिए सर्वोत्तम सम्भव सुविधाएँ प्रदान करने का प्रयास करता है।

विभाग फुटबॉल, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, हॉकी, टेबल-टेनिस, क्रिकेट, शतरंज, कोर्फबॉल जैसे खेलों के लिए उत्कृष्ट प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करता है। हमारे छात्रों ने जिन भी आयोजनों में भाग लिया है, उनमें हमारी खेल उपलब्धियाँ सराहनीय रही हैं।

विभाग अब एक पूर्ण सुविधा ब्लॉक के साथ राष्ट्रमंडल खेल 2010 आयोजन समिति द्वारा विकसित मानकों का एक खेल मैदान तैयार है, जो सभी खेल छात्रों के लिए एक बड़ी सम्पत्ति होगी और इसमें शतरंज, टेबल टेनिस जैसी इनडोर गतिविधियों के लिए एक मानक मैदान शामिल होगा।

क्र.सं.	संकाय का नाम	योग्यता
1	डॉ. प्रमोद सी. शर्मा	पीएच.डी.
2	प्रो. बेनु गुप्ता	पीएच.डी.

भौतिकी-विभाग

भौतिकी-विभाग महाविद्यालय के सबसे बड़े विभागों में से एक है। इसमें उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध एक समर्पित शिक्षक समूह है। विभाग 'TACHYONS' नामक एक सक्रिय सोसायटी चलाता है, जो प्रख्यात वक्ताओं द्वारा विज्ञान के बुनियादी और व्यावहारिक क्षेत्रों पर सेमिनार आयोजित करता है। वार्षिक भौतिकी महोत्सव 'न्यूटोनियन' का आयोजन करता है, जिसमें भाग लेने के लिए विभिन्न महाविद्यालयों की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को एक साथ लाया जाता है। उत्सव के दौरान आयोजित की जाने वाली कुछ गतिविधियाँ तर्क, सामान्य प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, फिल्म स्क्रीनिंग, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग और चर्चा सत्र हैं। सोसाइटी विभागीय पत्रिका 'फ़िज़ियन' भी प्रकाशित करती है। महाविद्यालय और विभाग की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही है कि नासा यूएसए ने लगातार दो वर्षों तक हमारे महाविद्यालय की टीम को यूएस स्पेस एण्ड रॉकेट सेण्टर, हंट्सविले अलबामा यूएसए में मूनबग्गी को डिजाइन करने और बनाने के लिए आमन्त्रित किया है। टीम को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से सहायता प्रदान की जाती है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. राकेश कुमार पांडेय	पीएच.डी.
2	डॉ. संगीता डी. गद्रे	पीएच.डी.

3	डॉ. नीना खानिजो	पीएच.डी.
4	प्रो. कृष्ण कमल हलदर	पीएच.डी.
5	श्री प्रद्युम्न कुमार सेठी	एमएससी
6	डॉ. रोशन क्षेत्रमयुम	पीएच.डी.
7	प्रो. उषा कुलश्रेष्ठ	पीएच.डी.
8	प्रो. बिपिन सिंह कोरंगा	पीएच.डी.
9	प्रो. अगम कुमार झा	पीएच.डी.
10	डॉ. रक्षा शर्मा	पीएच.डी.
11	डॉ. चोंगथम जितेन	पीएच.डी.
12	डॉ. सिद्धार्थ लहोन	पीएच.डी.
13	डॉ. प्रणव कुमार	पीएच.डी.
14	डॉ. मनीषा त्यागी	पीएच.डी.
15	डॉ. परीक्षित गौतम	पीएच.डी.
16	डॉ. प्राची यादव	पीएच.डी.
17	आरती	एम.एससी.
18	डॉ. काजल जिंदल	पीएच.डी.
19	डॉ. ईशपाल	पीएच.डी.
20	डॉ. नंद किशोर	पीएच.डी.
21	रश्मि मीना	एम.एससी.
22	डॉ. श्याम	पीएच.डी.
23	डॉ. ज्ञानेंद्र कृष्ण पांडेय	पीएच.डी.
24	डॉ. बिप्लब बर्मन	पीएच.डी.
25	डॉ. अजय कुमार	पीएच.डी.
26	श्री कीर्ति कुमार	एम.एससी.
27	डॉ. पुष्पेंद्र कुमार	पीएच.डी.
28	डॉ. सुनीता सिंह	पीएच.डी.
29	डॉ. निर्मल कुमार	पीएच.डी.

राजनीति-विज्ञान-विभाग

फ्रैंक ठाकुरदास और नन्द लाल गुप्ता जैसे प्रतिष्ठित नाम किरोड़ीमल महाविद्यालय के राजनीति-विज्ञान-विभाग के शिक्षक रहे हैं। विभाग न केवल छात्रों को शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करता है बल्कि उन्हें बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक भी बनाता है। विभाग के पास विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक हैं। LA POLITIQUE, राजनीति विज्ञान विभाग की सोसायटी, प्रत्येक वर्ष अपने वार्षिक शैक्षणिक उत्सव POLITICANA का आयोजन करती है। दो दिवसीय महोत्सव में व्याख्यान, सेमिनार, वाद-विवाद, क्विज़ और फिल्म स्क्रीनिंग जैसे विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. उमा गुप्ता	पीएच.डी.
2	डॉ. रूपक दत्तागुप्ता	पीएच.डी.
3	डॉ. श्याम कुमार	पीएच.डी.
4	प्रो. रूपिंदर ओबेरॉय	पीएच.डी.
5	श्री गौरव पंवार	एम.ए.
6	डॉ. कृष्णा दत्ता	पीएच.डी.
7	श्री अनंत प्रकाश	एम.ए.
8	डॉ. शोमैला वारसी	पीएच.डी.
9	श्री विभोर पोसवाल	एम.ए.
10	डॉ. स्वाति सोम	पीएच.डी.
11	श्री प्रशांत शाही	एम.ए.

संस्कृत-विभाग

संस्कृत-विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रमों के शिक्षण में संलग्न है। विभाग अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। विभागीय समिति, संस्कृत-परिषद, अपने वार्षिक अन्तर-महाविद्यालयोत्सव और सङ्गोष्ठियों का आतिथ्य करती है। प्रतियोगिताओं में वैदिक-मन्त्र-पाठ, श्लोक-पाठ, संस्कृत-प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और संस्कृत-सम्भाषण-शिविर सम्मिलित हैं।

क्र.सं.	शिक्षकों के नाम	योग्यता
1	प्रो. हरीश	पीएच.डी.
2	प्रो. सुभाष कुमार सिंह	पीएच.डी.
3	डॉ. हरेती लाल मीना	पीएच.डी.
4	डॉ. भूपेन्द्र कुमार	पीएच.डी.
5	डॉ. रूपेश कुमार चौहान	पीएच.डी.
6	डॉ. ललित पांडे	पीएच.डी.

सांख्यिकी-विभाग

किरोड़ीमल महाविद्यालय का सांख्यिकी-विभाग स्नातक छात्रों के लिए अनुसन्धान और उद्योगोन्मुख दृष्टिकोण के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए जाना जाता है। विभाग सांख्यिकी और सञ्चालन अनुसन्धान में व्यावहारिक ज्ञान के साथ विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। व्याख्यान और ट्यूटोरियल में छात्रों की कड़ी निगरानी के अतिरिक्त, शिक्षक उनके शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास करते हैं। विभाग सभी महाविद्यालयों की भागीदारी के साथ हर साल अपना उत्सव भी आयोजित करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. वंदना एस.वालिया	पीएच.डी.
2	डॉ.रश्मि गोयल	पीएच.डी.
3	डॉ. गोपा कर्मकार	पीएच.डी.
4	प्रो. अलका सबरवाल	पीएच.डी.
5	डॉ. श्रवण कुमार	पीएच.डी.
6	डॉ. सुरेंद्र कुमार	पीएच.डी.
7	डॉ. रामप्रवेश सिंह गौतम	पीएच.डी.
8	डॉ. मनीष कुमार दुबे	पीएच.डी.

9	डॉ. शिखा सहगल	पीएच.डी.
10	डॉ. स्वाति कुजल	पीएच.डी.

उर्दू-विभाग

प्रमुख शिक्षाविद् और प्रख्यात शिक्षक और छात्र उर्दू-विभाग से जुड़े रहे हैं। इनमें डॉ. खलीक अंजुम, प्रो. कामिल कुरेशी, डॉ. खालिद अशरफ, डॉ. यह्या सबा और डॉ. मोहसिन जैसे नाम शामिल हैं। उर्दू में स्नातक कक्षाएं 1980 में प्रोफेसर कामिल कुरैशी द्वारा आरम्भ की गईं। विभाग बीए (ऑनर्स), बीए प्रोग्राम और विभिन्न अंतर-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करता है। विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके महाविद्यालयों में उर्दू भाषा और साहित्य के प्रचार, प्रसार और विकास में लगा हुआ है। उर्दू काव्य संस्कृति को बढ़ावा देने और विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, यह नियमित रूप से सेमिनार, मुशायरा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। यह जरूरतमंद उर्दू लेखकों के रचनात्मक लेखन को प्रकाशित करने में सहायता प्रदान करता है। शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत, यह उर्दू छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। विभाग ने इस संस्थान में विद्वतापूर्ण परम्परा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. मोहम्मद यह्या (सबा)	पीएच.डी.
2	डॉ. मो. मोहसिन	पीएच.डी.
3	डॉ. मुजीब अहमद खान	पीएच.डी.

प्राणी-विज्ञान-विभाग

प्राणी-विज्ञान-विभाग के शिक्षकों के पास पारिस्थितिकी, प्राणी-विज्ञान, कोशिका और आणविक-जीव-विज्ञान, आनुवंशिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, अकशेरुकी, एण्डोक्रिनोलॉजी, पशु व्यवहार, मत्स्य-जीव-विज्ञान, वन्य-जीव-विज्ञान, विकासवादी-जीव-विज्ञान, जनसंख्या-जीव-विज्ञान और नैनो के क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े शिक्षक कैंसर और मधुमेह के लिए एण्टोमोलॉजिकल सिस्टमैटिक्स, एथोलॉजी और कीट-नियन्त्रण और नैनो-जैव प्रौद्योगिकी में विभिन्न शैक्षणिक और अनुसन्धान कार्यक्रमों में शामिल हैं।

जन्तु-विज्ञान-विभाग का मिशन अत्याधुनिक शिक्षण और अनुसन्धान को स्नातक शिक्षा में सर्वोत्तम की प्रतिबद्धता के साथ जोड़ना है। हम प्रोकैरियोट्स और यूकेरियोट्स के जीव-विज्ञान को जानने और पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी की क्षमता का पता लगाने के लिए जेनेटिक्स, जीनोमिक्स और जैव प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने का प्रयास कर रहे हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. अनिता कामरा वर्मा	पीएच.डी.
2	डॉ. अंजलि प्रियदर्शनी	पीएच.डी.
3	डॉ. संजुक्ता दास (छुट्टी पर)	पीएच.डी.
4	डॉ. गौरी गर्ग	पीएच.डी.
5	डॉ. लुकराम इंगोचौबा मीतेई	पीएच.डी.
6	डॉ. हरेन राम चियारी	पीएच.डी.
7	डॉ. जान्हवी	पीएच.डी.
8	डॉ. उत्कर्ष सूद	पीएच.डी.
9	डॉ. अरुण कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. अमित सिंह धौलानिया	पीएच.डी.
11	डॉ. पुखरामबम पुष्पा देवी	पीएच.डी.

महाविद्यालय-समिति

खेल-परिषद

किरोड़ीमल महाविद्यालय का खेलों में शानदार इतिहास रहा है। इसने दिल्ली विश्वविद्यालय इण्टर-महाविद्यालय टूर्नामेण्ट में एक ही वर्ष में पाँच प्रथम स्थान (तीन प्रमुख खेलों सहित) प्राप्त कर रिकॉर्ड बनाया है तथा एक बार सर्वश्रेष्ठ ऑल राउण्ड महाविद्यालय होने के लिए प्रतिष्ठित कुलपति ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। साल दर साल, हमने कई खेलों में विश्वविद्यालय, दिल्ली राज्य और जूनियर भारत की टीमों को उत्कृष्ट खिलाड़ी प्रदान किए हैं। महाविद्यालय हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स,

मुक्केबाजी और शतरंज के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। हमारे छात्रों ने सभी टूर्नामेंटों में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

2018 में, बास्केटबॉल पुरुष टीम ने इण्टर महाविद्यालय चैम्पियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया; एथलेटिक्स में छात्रों ने कई पदक जीते - 4x100 मीटर रिले और डिस्कस थ्रो में स्वर्ण; शतरंज में इंटर महाविद्यालय टूर्नामेंट में छात्रों ने दूसरा स्थान हासिल किया।

महाविद्यालय ने राष्ट्रीय और अन्ताराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर आयोजित पैरा-स्पोर्ट्स खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष पैरा-स्पोर्टिंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें महाविद्यालय की सक्षम इकाई 'प्रयास' सक्रिय भूमिका निभाती है। पैरा-एथलेटिक्स णको बढ़ावा देने के लिए विकलांग छात्रों के लिए खेलो प्रयास का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के 15 से अधिक कॉलेजों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

किरोड़ीमल महाविद्यालय का एनसीसी विंग विश्वविद्यालय में सबसे बेहतरीन में से एक है। वर्ष 1964 में अपनी स्थापना के बाद से, इस एनसीसी इकाई ने बहुत प्रगति की है। इसमें एक सक्रिय प्रशिक्षण और सांस्कृतिक कैलेण्डर है। महाविद्यालय में पुरुष और महिला कैडेटों के लिए एनसीसी प्रशिक्षण की सुविधा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

1969 में अपनी शुरुआत के बाद से भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना, किरोड़ीमल महाविद्यालय इकाई युवा मामले और खेल मन्त्रालय (MoYAS), सरकार के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय के माध्यम से काम कर रही है।

एनएसएस-केएमसी यूनिट की ताकत की कल्पना हमारी टैगलाइन, "साहस से सहयोग करें" में की गई है, जिसका अर्थ है कि सबसे बड़े बदलावों को देखने का एकमात्र तरीका हमारे आसपास के लोगों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

वर्तमान में, एनएसएस-केएमसी इकाई दो परियोजनाओं पर काम कर रही है:

साहस: सशक्त महिला समाज की महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके उत्थान पर केन्द्रित है। प्रोजेक्ट साहस में, हम इस ग्रह पर हर महिला का सम्मान करते हैं और दृढ़ता से मानते हैं

कि सामाजिक न्याय, शान्ति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जीवन के सभी पहलुओं में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है।

दूसरी ओर, सहयोग: 'शेयरिंग स्माइल्स', 'ईच वन टीच वन' प्रोग्राम के माध्यम से देश के भविष्य के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है, जहां हम गोद लिए गए गाँव चन्द्रावल, कमला नगर, नई दिल्ली क्षेत्र से सम्बन्धित छात्रों के समग्र विकास पर काम करते हैं।

सभी स्वयंसेवक साल भर आयोजित इकाई गतिविधियों में भाग लेते हैं और खुद को अधिक केन्द्रित, जिम्मेदार और जवाबदेह नागरिक के रूप में पहचानते हैं।

पूर्ण समर्पण के साथ दोनों परियोजनाओं के विकास के लिए सामूहिक रूप से काम करने के अलावा, हम कई वार्षिक और मासिक कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं ताकि हमारे स्वयंसेवकों के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जा सके, जैसे स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, जागरूकता अभियान, रक्तदान शिविर, स्टेशनरी और पुस्तक दान अभियान, स्वास्थ्य जाँच शिविर, दन्त-चिकित्सा शिविर, गौरव परेड, उमंग, सहयोग छात्रों के लिए वार्षिक खेल और सांस्कृतिक बैठक, किरोड़ीमल महिला सम्मेलन, किरोड़ीमल युवा संसद, एनएसएस संस्थापक दिवस और भी बहुत कुछ। साथ ही, स्वयंसेवकों को विभिन्न मञ्चों जैसे विश्वविद्यालय स्तर पर, क्षेत्रीय स्तर पर या राष्ट्रीय एकता शिविरों में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलता है।

हम, एनएसएस केएमसी में, छोटे-छोटे कदम उठाकर और बड़े बदलाव करके लगन से काम कर रहे हैं ताकि इस दुनिया को बेहतर बनाया जा सके।

प्लेसमेण्ट सेल

एवेन्यूज़ - किरोड़ीमल कॉलेज का प्लेसमेंट सेल, दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे पुराने और सबसे सक्रिय प्लेसमेंट सेल में से एक है। टीम एवेन्यूज़ का मुख्य उद्देश्य उद्योग में कड़ी प्रतिस्पर्धा और कॉलेज में उपलब्ध अविश्वसनीय संभावनाओं के बीच अंतर को पाटना है। यह हमारे छात्रों को कॉर्पोरेट जगत में कदम रखने में सहायता करता है। कॉलेज ने डीई शॉ, ईवाई, केपीएमजी, पीडब्ल्यूसी, एक्सेंचर, बेन कैपेबिलिटी नेटवर्क और ट्रेसविस्टा जैसे पिछले भर्तीकर्ताओं के साथ एक उपयोगी संबंध बनाए रखा है। इसने कोबलस्टोन एनर्जी, ट्रिलॉजी इनोवेशन, एडिडास, एलईके कैपेबिलिटी नेटवर्क, बायजू, ट्रैवक्लान जैसी नई कंपनियों के साथ भी संबंध स्थापित किए। प्लेसमेंट सत्र 2022-23 में 225+ कंपनियों द्वारा एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग बेंचमार्क स्थापित किया गया

है, जिन्होंने औसतन 6.8 एलपीए की पेशकश की, कुल मिलाकर, 182 छात्रों को प्लेसमेंट दिया गया, जिसमें औसत सीटीसी 8.4 एलपीए स्वीकार किया गया।

एवेन्यूज़ द्वारा आयोजित कुछ कॉर्पोरेट प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण कार्यशालाएं हैं:

- बैन कैपेबिलिटी नेटवर्क द्वारा ब्रेनवॉर्स
- डेलॉइट द्वारा ग्रेजुएट स्कूल मेवरिक
- एक्सेंचर द्वारा अगली क्षितिज रणनीति कनेक्ट
- ईवाई इंडिया: ईवाई काफ्ता केस चैम्पियनशिप
- क्रैश कोर्स एवं कॉम्प. स्ट्रेटेजी कंपनी ग्लोबल द्वारा
- एचएसबीसी इंडिया: बिजनेस केस प्रोग्राम
- डब्ल्यूटीडब्ल्यू: कैम्पस ब्रांड एंबेसडर कार्यक्रम
- गगन का विनिंग एज पर्सोना प्रोग्राम
- जीआरई बनाम जीमैट: प्रिंसटन समीक्षा द्वारा सत्र
- सामाजिक क्षेत्र में उभरती भूमिकाएँ: आईएसडीएम द्वारा सत्र
- लैंप फ़ेलोशिप द्वारा जानकारीपूर्ण सत्र

प्रयास

प्रयास, महाविद्यालय की सक्षम इकाई का गठन 2006 में किया गया था। तब से इकाई ने नियमित रूप से समावेशी अन्तर और अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सवों की मेजबानी की है और विकलांगता से समबन्धित मुद्दों के लिए महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संवेदनशील बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है। प्रयास, अपने छात्र कार्यकर्ताओं के माध्यम से, विकलांग छात्रों को आवश्यकतानुसार तकनीकी और मानवीय सहायता प्रदान करके उनकी शैक्षणिक गतिविधियों को गति प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में, इकाई ने परिसर में समावेशी शिक्षण और अधिगम का माहौल बनाने और बढ़ावा देने का सफलतापूर्वक प्रयास किया है।

परिवर्तन

परिवर्तन लिंग संबंधी मुद्दों पर बहस और चर्चा का एक मञ्च है। यह लैंगिक रूढ़िवादिता, भेदभाव और हिंसा जैसे मुद्दों पर फिल्म शो, कार्यशालाएँ और अन्य कार्यक्रम आयोजित करता

है। सोसायटी एक प्रशिक्षित परामर्शदाता की सेवाएँ प्रदान करती है। सोसायटी का प्राथमिक उद्देश्य परिसर में लैंगिक भेदभाव से मुक्त माहौल बनाना है। फोरम लिंग से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर द्वि-साप्ताहिक बैठकें आयोजित करता है, उदाहरण के लिए, यौन हिंसा, उत्पीड़न, समाजीकरण, पितृसत्ता, स्त्रीत्व, पुरुषत्व आदि। सामाजिक वास्तविकताओं और सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता की समझ विकसित करने में प्रभावी हैं। फोरम लिंग-आधारित हिंसा के मुद्दों पर सदस्यों के लिए विशेष निजी कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है। पिछले वर्षों में सभी बैचों के छात्रों द्वारा ली गई सराहनीय रुचि और जिम्मेदारी से प्रेरित, परिवर्तन अगले सत्र में एक उत्साहपूर्ण वर्ष की आशा करता है।

कल्चरल सोसाइटी

किरोड़ीमल महाविद्यालय में नाटक, वाद-विवाद, संगीत, ललित कला, फोटोग्राफी, नृत्य और फिल्म में निरन्तर सांस्कृतिक गतिविधि का एक विशिष्ट इतिहास है। हमारे महाविद्यालय की कल्चरल सोसाइटी; 'द प्लेयर्स', 'डेब्सॉक', 'म्यूसॉक', 'फैप्स', 'सेंसेशन' और द फिल्म सोसाइटी(मोंताज) के माध्यम से ये गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

द प्लेयर्स

'द प्लेयर्स' दिल्ली का एक अग्रणी कैम्पस थिएटर ग्रुप है, जिसके 68 साल के इतिहास में रोमाञ्चक और विविध गतिविधियों के प्रभावशाली रिकॉर्ड हैं। इसके सदस्यों को विभिन्न थिएटर कलाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होता है। द प्लेयर्स के पूर्व छात्रों ने थिएटर, सिनेमा, टेलीविजन और सम्बन्धित क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। द प्लेयर्स हर साल अपने इण्टर-महाविद्यालय थिएटर फेस्टिवल की मेजबानी करता है। यह महोत्सव गैर-प्रतिस्पर्धी प्रारूप में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय स्ट्रीट और स्टेज नाटकों का प्रदर्शन और विश्लेषण करता है। इस आयोजन में प्रमुख विशेषज्ञों, फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के नेतृत्व में जीवन्त प्रदर्शन और उत्साह देखा जाता है।

डेब्सॉक

DEBSOC के सदस्य वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ने की ताकत हैं और उन्होंने राष्ट्रीय और अन्ताराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। DEBSOC

वाद-विवाद प्रतियोगिताओं की एक श्रृङ्खला का आयोजन करता है जिसमें वाद-विवाद महोत्सव, 'द गिफ्ट ऑफ द गैब' और एक हिन्दी वाद-विवाद लीग, 'मन्थन' शामिल है।

म्यूज़ॉक

शास्त्रीय और सुगम सङ्गीत दोनों में MUSOC की विश्वविद्यालय में प्रमुख उपस्थिति है। अपने सदस्यों के व्यक्तिगत और कोरस प्रदर्शन दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ, इसने प्रशंसा हासिल की है और जहाँ भी इसके सदस्यों ने प्रदर्शन किया है, वहाँ एक विशिष्ट छाप छोड़ी है। MUSOC एक ऐसा समूह है जो भारतीय, पश्चिमी और फ्यूजन आयामों को कवर करता है, अधिकांशतः अन्य संगीत समूहों के विपरीत जिनके पास अलग-अलग भारतीय और पश्चिमी समूह हैं। MUSOC के प्रदर्शन को दिल्ली विश्वविद्यालय सर्किट के अन्दर और बाहर दोनों जगह बहुत सराहा जाता है।

ललित कला एवं फोटोग्राफी सोसायटी 'फैप्स'

फैप्स ने कैम्पस सर्किट में ललित कला और फोटोग्राफी में रचनात्मक कार्य का एक प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाया है। यह हर साल अपने वार्षिक उत्सव और प्रदर्शनी-'परसेप्शन' का आयोजन करता है। इन आयोजनों को पूरी दिल्ली और बाहर के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

'सेंसेशन' द डांस सोसायटी

सेंसेशन जहाँ भी प्रदर्शन करता है वहाँ अपनी प्रतिभा और क्षमता से दर्शकों को प्रभावित करता है। सोसायटी में ऐसे समूह शामिल हैं जो पश्चिमी के साथ-साथ भारतीय-फ्यूजन नृत्य मुहावरों का उपयोग करते हैं जिनमें हिप-हॉप, बी-बॉयिंग, कण्टेम्पररी और इण्डो जैज़ जैसे विभिन्न प्रकार के नृत्य शामिल हैं।

फिल्म सोसायटी 'मोंताज'

फिल्म सोसाइटी छात्रों को सिनेमाई कार्यों की समृद्ध विविधता और सिनेमा पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण से परिचित कराती है। फिल्म सोसाइटी पूरे वर्ष बहुत सक्रिय रहती है। यह भारतीय और विदेशी फिल्मों, पुरानी क्लासिक्स और समकालीन फिल्मों से लेकर वृतचित्र और फीचर फिल्मों की प्रदर्शनी करती है। दर्शकों ने हमेशा फिल्मों का आनन्द लिया है और अधिकांश

स्क्रीनिंग के बाद जीवन्त चर्चा होती है। सोसायटी फिल्म निर्माण के लिए कार्यशालाएँ भी आयोजित करती है जिसमें हमारे छात्र भाग लेते हैं। हमें उम्मीद है कि हम इस प्रयास को जारी रखेंगे और पर्याप्त ढांचागत समर्थन तैयार करेंगे ताकि हमारे सदस्य इस वर्ष लघु फिल्म निर्माण में उद्यम कर सकें।

स्पिक मैके

स्पिक मैके सोसायटी युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्य करती है, न केवल गैर-लाभकारी संगठन साथ ही भारतीय शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य और संस्कृति के विविध पहलुओं पर भी केन्द्रित रहती है। यह दुनिया भर के 300 से अधिक कस्बों और शहरों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला आन्दोलन है। स्पिक मैके की स्थापना डॉ. किरण सेठ ने 1977 में आईआईटी दिल्ली में की थी। यह पारम्परिक भारतीय मूल्यों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं और विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करता है। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, स्पिकमैके संगीत कार्यक्रम, व्याख्यान, चर्चा, और सेमिनार आयोजित करता है। इन्हें संगठन के स्थानीय निकायों द्वारा आयोजित किया जाता है। महाविद्यालय का स्पिक मैके राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन आयोजित करने के लिए मूल निकाय के साथ समन्वय करता है। सन्तूर-वादक पद्मश्री पण्डित भजन सपोरी, उस्ताद इमरत खान, पण्डित देबू चौधरी सहित अन्य ने महाविद्यालय में मनमोहक प्रस्तुतियां दी हैं।

अतिरिक्त छात्र सोसायटी

एडवेंचर क्लब

किरोड़ीमल महाविद्यालय का एडवेंचर क्लब ट्रेक और एडवेंचर में रुचि रखने वाले उत्साही लोगों को एक साथ लाता है। क्लब की गतिविधियों में रिवर राफ्टिंग, नेचर कैम्प, ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, कायाकिंग, पैरासेलिंग, पैराग्लाइडिंग, विंडसर्फिंग, स्पीड बोटिंग, बाइकिंग और बंजी-जंपिंग शामिल हैं। क्लब गढ़वाल/कुमाऊं और हिमालय क्षेत्रों में भी अभियान चलाता है। यात्राएँ किफायती कीमतों पर और छात्रों की ज़रूरतों के अनुसार आयोजित की जाती हैं।

इको क्लब

इको क्लब भावी पीढ़ियों के बीच पर्यावरण जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दिल्ली के एनसीटी के सरकारी सहायता प्राप्त, निजी, सार्वजनिक स्कूलों और

महाविद्यालयों में 2000 इको-क्लब स्थापित किए गए हैं। पर्यावरण-विभाग विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रत्येक इको क्लब स्कूल/महाविद्यालय को एक प्रतीकात्मक अनुदान प्रदान करता है। किरोड़ीमल महाविद्यालय में इको क्लब की स्थापना वर्ष 2014 में हुई थी। पर्यावरण जागरूकता पैदा करना हमेशा किसी भी शैक्षणिक संस्थान का प्रमुख केन्द्र बिन्दु रहा है। क्लब का दृष्टिकोण छात्रों और महाविद्यालय के कर्मचारियों दोनों को वृक्षारोपण करके अपने आस-पास के वातावरण को हरा-भरा और स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना है, पानी के उपयोग को कम करके पानी के संरक्षण के लोकाचार को बढ़ावा देना है, और सभी को न्यूनतम अपशिष्ट उत्पादन, कचरे के स्रोत पृथक्करण और निकटतम भण्डारण बिन्दु तक कचरे के निपटान के लिए आदतों और जीवन शैली को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना है।

विदेशी छात्र संघ (फोस्टास)

केएमसी पूरे देश और विदेश से, समाज के विभिन्न वर्गों से छात्रों को आकर्षित करता है। महाविद्यालय में विभिन्न देशों से बड़ी संख्या में विदेशी छात्र आते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया, अफ्रीका और यूरोप से आते हैं।

फॉरेन स्टूडेंट्स एसोसिएशन (FOSTAS) किरोड़ीमल महाविद्यालय की एक आधिकारिक संस्था है। इसकी स्थापना अन्ताराष्ट्रीय छात्रों और महाविद्यालय के मेजबान छात्रों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। FOSTAS किरोड़ीमल महाविद्यालय में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के हितों का ख्याल रखता है। एसोसिएशन नए प्रवेशकों को सहायता प्रदान करता है, विदेशी छात्रों की समस्याओं का समाधान करता है और अन्ताराष्ट्रीय छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित करता है।

उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ

किरोड़ीमल महाविद्यालय के पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ की स्थापना 14 अक्टूबर, 2015 को कर्मचारी परिषद के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी। पूर्वोत्तर भारत से बड़ी संख्या में छात्र स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों कार्यक्रमों में महाविद्यालय में नामाङ्कित हैं। पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ (एनईएससी) किरोड़ीमल महाविद्यालय की सबसे जीवन्त कोशिकाओं में से एक है। पिछले शैक्षणिक वर्ष (2022-2023) के दौरान एनईएससी ने 17 अक्टूबर 2022 को पूर्वोत्तर छात्रों के सामने आने वाली आर्थिक और शैक्षणिक चुनौतियों पर एक शैक्षिक सङ्गोष्ठी का आयोजन

किया था। इसके अतिरिक्त 2 फरवरी 2023 को मोंताज के सहयोग से एक फिल्म स्क्रीनिंग भी आयोजित की गई थी। तीन प्रमुख पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान एनईएससी द्वारा कार्यक्रम, यानी कुलिना- द नॉर्थईस्ट फूड फेस्ट, 8THNICA और NESSDU स्पोर्ट्स मीट का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। उपरोक्त कार्यक्रमों में दिल्ली विश्वविद्यालय के 30 से अधिक महाविद्यालयों ने भाग लिया।

सेल का इरादा भविष्य में एक सक्रिय मञ्च बनाने का है, जो विचार, संस्कृति, परम्परा और विविध मूल्य प्रणाली के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करेगा जो बदले में छात्रों को उनकी वास्तविक क्षमता का एहसास करने और उन्हें अच्छे नागरिकों के रूप में आकार देने में मदद करेगा।

छात्रसंघ

छात्र सङ्घ महाविद्यालय का प्रमुख छात्र सङ्गठन है। यह छात्रों को उनके नेतृत्व गुणों और राजनीतिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक मञ्च प्रदान करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य छात्रों के मुद्दों को उठाना और छात्रों की शिकायतों का निवारण करना है। महाविद्यालय के सभी छात्र स्वतः ही छात्रसङ्घ के सदस्य बन जाते हैं। सङ्घ के अध्यक्ष, महासचिव और अन्य पदाधिकारियों को चुनने के लिए चुनाव होता है। छात्र सङ्घ सितम्बर माह में 'फ्रेशर्स टेक-ऑफ' के साथ अपनी गतिविधियाँ शुरू करता है। यह अपने वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, "पुनर्जागरण" की भी मेजबानी करता है।

समान अवसर सेल (इक्वल अपरट्यूनिटी सेल)

भारत के ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहने वाले वर्गों, इसके धार्मिक अल्पसंख्यकों, महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों आदि के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण समाज बनाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, महाविद्यालय ने एक समान अवसर सेल की स्थापना की है। इस स्तर पर ऐसे सेल की आवश्यकता इस समझ से आती है कि उच्च शिक्षा सामाजिक और आर्थिक समानता प्राप्त करने का एक उपकरण है। सेल का उद्देश्य भारत सरकार की नीतियों को लागू करके शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासङ्गिकता के मानक को सुनिश्चित करते हुए पहुँच और समानता के मुद्दे को सम्बोधित करना और वञ्चित समूहों के लिए कई योजनाओं और कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है जो सामाजिक असमानताओं को खत्म करने में मदद करेंगे।

समान अवसर सेल का प्राथमिक कार्य वञ्चित समूहों के लिए नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी करना, शैक्षणिक, वित्तीय, सामाजिक और अन्य मामलों के सम्बन्ध में मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करना और महाविद्यालय परिसर के भीतर विविधता को बढ़ाना है। गतिविधियों की श्रृंखला में संवेदीकरण कार्यक्रम, अंग्रेजी भाषा दक्षता कार्यक्रम, उपचारात्मक कक्षाएँ और अन्य शैक्षणिक सम्बन्धित गतिविधियाँ शामिल हैं। छात्र (व्यक्तिगत रूप से या समूह में) अपनी समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए स्वतन्त्र रूप से सेल से सम्पर्क कर सकते हैं।

भूतपूर्व-छात्र समिति

अक्टूबर 2015 में किरोड़ीमल महाविद्यालय में एक भूतपूर्व-छात्र समिति का गठन किया गया था। इसके माध्यम से महाविद्यालय का लक्ष्य उन सभी छात्रों के साथ जुड़ना है जो संस्थान से उत्तीर्ण हुए हैं और अब नागरिक समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। एसोसिएशन न केवल छात्रों को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा बल्कि पूर्व छात्रों को महाविद्यालय के विकास में योगदान देने के लिए भी प्रेरित करेगा।

वार्षिक पत्रिका समिति (न्यू आउट्लुक)

न्यू आउट्लुक : नई दृष्टि किरोड़ीमल महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय की पहचान है जो संस्थान की प्रत्येक इकाई को अपने पृष्ठों में प्रस्तुत करती है। यह एक ऐसा मञ्च है जहाँ से प्रत्येक व्यक्ति को अपनी राय रखने की आजादी है। यह अपनी योग्यता के आधार पर चुने गए विविध प्रतिभाओं वाले छात्र सम्पादकों के एक बहुत ही रचनात्मक और उज्ज्वल समूह के साथ-साथ प्रतिबद्ध संकाय सदस्यों की एक टीम के माध्यम से कार्य करता है जो उनके गुरु हैं। यह एक मञ्च है जहाँ ग्राफिक प्रेमी खुद को अभिव्यक्त कर सकते हैं, और जहाँ शैक्षणिक और पाठ्येतर उपलब्धियों का जश्न मनाया जाता है। AMCatKMC (किरोड़ीमल महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका समिति) के लिए सबसे बड़ा सम्मान अब तक अनसुनी आवाज़ों को सुनाना, यह सुनिश्चित करना कि कोई भी प्रतिभा अनसुनी न रह जाए और अप्रयुक्त क्षमता के लिए जगह प्रदान करना है। यह वर्ष भर में कई अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के अलावा क्रमशः विषम और सम सेमेस्टर में मेराकी: एक रचनात्मक आभा और महोत्सव रसो वै सः नामक कार्यक्रम आयोजित करता है। साथ ही, अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल,

फेसबुक और इंस्टाग्राम पेजों के माध्यम से सोशल मीडिया पर इसकी बहुत सक्रिय उपस्थिति है।

इस प्रकार, कुछ फोलियो के भीतर संक्षिप्त और संपीड़ित पत्रिका, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में महाविद्यालय द्वारा पोषित उत्कृष्टता के असंख्य रूपों की एक झलक प्रस्तुत करती है। "न्यू आउटलुक : नई दृष्टि" का प्रत्येक संस्करण वार्षिक दिवस पर जारी किया जाता है जब छात्र सम्पादकीय बोर्ड की ओर से उत्कृष्ट श्रेणी के लिए पुरस्कार दिए जाते हैं: पहला, उत्कृष्ट प्रदर्शन की बहुमुखी प्रतिभा के लिए अमिताभ बच्चन पुरस्कार, और दूसरा, जगदीश सी माथुर। सर्वश्रेष्ठ सम्पादक के रूप में स्टूडेंट ऑफ द ईयर का पुरस्कार। पुरस्कारों की अन्य श्रेणियाँ हैं जो AMCatKMC के विशेष कार्यक्रम में छात्रों को दी जाती हैं। वे हैं: ग्राफिक पुरस्कार- फ्रण्ट कवर के लिए लियोनार्डो दा विंची पुरस्कार, बैक-कवर के लिए विंसेंट वैन गॉग पुरस्कार, आर्ट गैलरी में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए अमृता शेर-गिल पुरस्कार; शैक्षणिक पुरस्कार- तत्व-मीमांसा (संस्कृत अनुभाग) के लिए कालिदास पुरस्कार, कृति (बांग्ला अनुभाग) के लिए रवीन्द्रनाथ टैगोर पुरस्कार, निकहत-ए-गुल (उर्दू अनुभाग) के लिए कैफ़ी आज़मी पुरस्कार, शब्द-दर्शन के लिए डॉ. हरिवंश राय बच्चन पुरस्कार (हिन्दी अनुभाग), पेंसमिएंटो (अंग्रेजी अनुभाग) के लिए आरके नारायण पुरस्कार, वाणिज्य-वाणी (वाणिज्य अनुभाग) के लिए कौटिल्य पुरस्कार, मानविकी-प्रकरण (सामाजिक विज्ञान अनुभाग) के लिए डॉ. बीआर अम्बेडकर पुरस्कार, और प्रायोगिक विद्या के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार (विज्ञान- अनुभाग)।

इस प्रकार, AMCatKMC एक कार्यप्रणाली है जो वार्षिक-पत्रिका प्रकाशित करती है, जो एक बहुरूपदर्शक की तरह, महाविद्यालय के सभी रंगों को उसके सभी उत्साह और विविधता में दर्शाती है।

वर्ष 2021-2022 के लिए शैक्षणिक पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	अनुष्का हुडा	19036510007	9.689	बीए(एच) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष
2	अभिप्सितो दास	19036511003	7.959	बीए (एच) अंग्रेजी तृतीय वर्ष
3	बिस्टिरना सैकिया	19036513013	9.365	बीए(एच) भूगोल तृतीय वर्ष
4	उमेश कुमार	19036516045	8.662	बीए (एच) हिंदी तृतीय वर्ष
5	शक्ति द्विवेदी	19036518109	7.973	बीए (ऑनर्स) इतिहास तृतीय वर्ष
6	हिमांशु खन्ना	19036527087	8.608	बीए(एच) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष
7	मोहम्मद आदिल हुसैन	19036529015	9.203	बीए (एच) संस्कृत तृतीय वर्ष
8	अरशद	19036533003	8.527	बीए(एच) उर्दू तृतीयवर्ष
9	पद्मा एंगमो	19036556026	9.257	बी.एससी.(एच) वनस्पति विज्ञान तृतीय वर्ष
10	सात्विक गुप्ता	19036557071	9.824	बीएससी (एच) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष
11	जयन्त क्र. गुप्ता	19036563029	9.905	बीएससी (एच) गणित तृतीय वर्ष
12	अरनव सिंह	19036567023	9.635	बीएससी (एच) भौतिकी तृतीय वर्ष
13	तूलिका	19036568037	9.595	बीएससी (एच) सांख्यिकी तृतीयवर्ष
14	सिमरन माथुर	19036569022	9.311	बी.एससी.(एच) जूलॉजी तृतीयवर्ष
15	प्राची शर्मा	19036504058	9.216	बी.कॉम. (एच) तीसरा वर्ष

16	कार्तिका सांगवान	19036501085	8.409	बीए (प्रो.) तृतीय वर्ष
17	अक्षिता सागर	19036503007	9.121	बी.कॉम. (पी) तीसरा वर्ष
18	शुभम डागर	19036585027	9.318	बीएससी (प्रोग.) गुदा. रसायन विज्ञान तृतीयवर्ष
19	अदिति वर्मा	19036583002	9.712	बीएससी (प्रो.) लाइफ साइन्स तृतीय वर्ष
20	बालकृष्ण मिश्र	19036582020	9.667	बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान के साथ) तीसरा वर्ष
21	दीपक कुमार सिंह	19036582104	9.455	बीएससी (प्रो.) भौतिक विज्ञान (सीएस के साथ) तृतीय वर्ष
22	सुमित सागर	20036745012	8.580	एम.एससी. वनस्पति विज्ञान फाइनल
23	कुनिका	20036746030	8.750	एम.एससी. रसायन शास्त्र फाइनल
24	अग्रिमा डुडेजा	20036758002	9.143	एम.एससी. गणित फाइनल
25	मानसी अरोड़ा	20036761016	8.950	एम.एससी. अंतिम
26	किमी चंचल	20036762024	7.950	एम.एससी. भौतिकी फाइनल
27	शिल्पा नंदी	20036766010	8.532	एम.एससी. जूलॉजी फाइनल
28	जाहन्वी वैद	20036708008	7.446	एम.ए. इंग्लिश फाइनल
29	सुधीर	20036713024	7.500	एम.ए. हिंदी फाइनल
30	तान्या सिंह	20036716023	7.938	एम.ए. इतिहास फाइनल
31	नितिन गुप्ता	20036724029	7.300	एम.ए. राजनीति विज्ञान फाइनल
32	आतिश कुमार आर्य	20036728009	8.744	एम.ए. संस्कृत फाइनल
33	मोहम्मद हातिम रजा	20036732021	8.235	एम.ए. उर्दू फाइनल

डॉ. एनएस प्रधान पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	अभिप्सितो दास	19036511003	7.959	बीए (एच) अंग्रेजी तृतीय वर्ष
2	उमेश कुमार	19036516045	8.662	बीए(एच) हिंदी तृतीय वर्ष
3	अरशद	19036533003	8.527	बीए (एच) उर्दू तृतीय वर्ष
4	जाह्नवी वैद	20036708008	7.446	एम.ए. अंग्रेजी फाइनल
5	मो. आदिल हुसैन	19036529015	9.203	बीए (एच) संस्कृत तृतीय वर्ष

डॉ. एन सुब्रह्मण्यम पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	अरनव सिंह	19036567023	9.635	बीएससी (एच) भौतिकी तृतीय वर्ष
2	किमी चंचल	20036762024	7.950	एम.एससी. भौतिक विज्ञान अंतिम वर्ष

श्री। एनएस खरे पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	अरनव सिंह	19036567023	9.635	बीएससी (एच) भौतिकी तृतीय वर्ष

डॉ. वाईएन भट्ट पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	श्रेयांश अंकित	21036511062	8.230	बीए(एच) अंग्रेजी प्रथम वर्ष

श्री जय देव पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	सिमरन माथुर	19036569022	9.311	बी.एससी.(एच) जूलॉजी तृतीय वर्ष

श्री गंगा सरन पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	प्रज्ञा अवस्थी	20036511061	7.930	बीए (एच) अंग्रेजी द्वितीय वर्ष

सुल्तान चंद मेमोरियल पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	कविश प्रणव शाह	20036504068	9.570	बी.कॉम. (एच) द्वितीय वर्ष

सुल्तान चन्द द्रोपदी देवी मेमोरियल पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	सानिया मल्होत्रा	21036504129	9.00	बी.कॉम. (एच) प्रथम वर्ष

श्री ओम प्रकाश स्मृति पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	शक्ति द्विवेदी	19036518109	7.973	बीए (ऑनर्स) इतिहास तृतीय वर्ष
2	वंशिका पोद्दार	20036518059	7.820	बीए (ऑनर्स) इतिहास द्वितीय वर्ष
3	प्रिया पवार	21036518037	7.770	बीए(एच) इतिहास प्रथम वर्ष

प्रो. बी.बी. सरकार मेमोरियल अवार्ड

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	हिमांशु खन्ना	19036527087	8.608	बीए(एच) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष
2	सान्या आहूजा	20036527084	8.040	बीए (एच) राजनीति विज्ञान द्वितीय वर्ष
3	इशानी गर्ग	21036527041	8.320	बीए(एच) राजनीति विज्ञान प्रथम वर्ष
4	मांडवी दीक्षित	-	8.320	बीए(एच) राजनीति विज्ञान प्रथम वर्ष

डॉ. बीडी सिंगल मेमोरियल अवार्ड

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	अभिप्सितो दास	19036511003	7.959	बीए (ऑनर्स) इंजीनियरिंग 3 वर्ष
2	-प्रज्ञा अवस्थी	20036511061	7.930	बीए (एच) इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष

3	श्रेयांश अंकित	21036511062	8.230	बीए(एच) इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष

रसायन विज्ञान में डॉ. वीपी शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	सात्विक गुप्ता	19036557071	9.824	बीएससी (एच) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष
2	राधिका शर्मा	20036557104	9.500	बीएससी (एच) रसायन विज्ञान द्वितीय वर्ष
3	इशिता	21036557028	9.320	बीएससी (एच) रसायन विज्ञान प्रथम वर्ष

गणित में डॉ. वीपी शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	जयन्त कुमार गुप्ता	19036563029	9.905	बी.एससी. (एच) गणित तृतीय वर्ष
2	दीपक यादव	20036563031	9.710	बी.एससी. (एच) गणित द्वितीय वर्ष
3	हिमांशु	21036563044	9.730	बी.एससी. (एच) गणित प्रथम वर्ष

श्री सत्यदेव नारायण इस्मृति सम्मान

क्र.सं.	नाम	परीक्षा अनुक्रमांक	सीजीपीए	अवधि
1	रोहन	19036516038	8.59	बीए (ऑनर्स) हिंदी III

हमारा वैभव

केएमसी नई पीढ़ी के चमकते सितारे को शिक्षित करने और उसका पोषण करने में वास्तव में गर्व महसूस करता है। पिछले कुछ वर्षों में, केएमसी के छात्रों ने आने वाली पीढ़ी के लिए नए मील के पत्थर स्थापित किए हैं। सफलता की राह पर, हमारे प्रतिभाशाली शिष्यों ने यूपीएससी-सीएसई (यूपीएससी-सिविल सेवा परीक्षा) 2022 और कैट 22 (कॉमन एडमिशन टेस्ट-2022) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

	गरिमा लोहिया यूपीएससी सीएसई - एआईआर 2 बी.कॉम.(पी) 2017-2020
	गोल्डी गुप्ता यूपीएससी सीएसई - एआईआर 181 राजनीति विज्ञान 2013-2016
	स्वप्निल भट्टाचार्य यूपीएससी सीएसई - एआईआर 344 भौतिकी (एच) 2015-2018
	विवेक यादव यूपीएससी सीएसई - एआईआर 718 राजनीति विज्ञान 2016-2019
	कोमल मीना यूपीएससी सीएसई - एआईआर 765 जन्तु विज्ञान (एच) 2016-2019
	शिवम कुमार यूपीएससी सीएसई - एआईआर 796 अंग्रेजी (एच) 2017-2020
	सृजन जैन कैट 2022 परसेंटाइल 99.40 बी.कॉम (एच) 2020-2023

हमारे भर्तीकर्ता

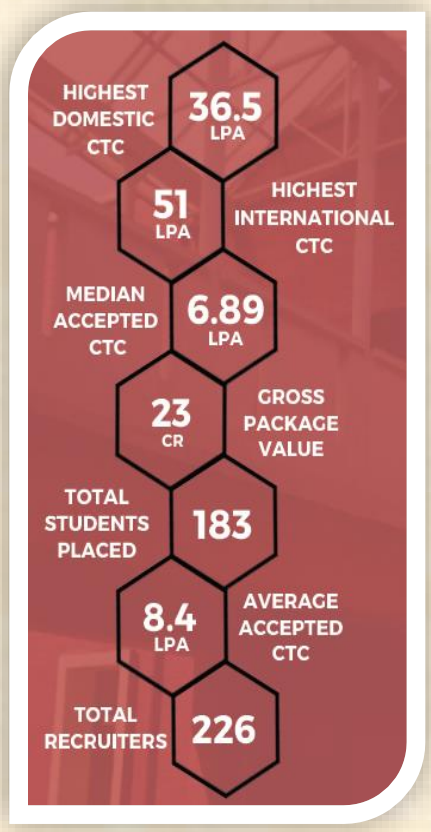
HIGHEST DOMESTIC CTC
36.5 LPA
HIGHEST INTERNATIONAL CTC
51 LPA
MEDIAN ACCEPTED CTC
6.89 LPA
GROSS PACKAGE VALUE
23 CR
TOTAL STUDENTS PLACED
183
AVERAGE ACCEPTED CTC
8.4 LPA
TOTAL RECRUITERS
226

DE Shaw & Co
Deloitte.
LEK
accenture
ZS
McKinsey&Company
Willis Towers Watson
ICICI Bank
BAIN & COMPANY
AXXELA
TRILOGY
Bank of America
KPMG
Gartner
COBBLESTONE ENERGY
EY
pwc
BCG
unicef
HCL
adidas
HDFC BANK
Crowe
Schneider Electric
AMERICAN EXPRESS
TresVista
RSA
UBS
MERCER
mamaearth
Pfizer
Fundwave
Justdial
CBRE
paytm
hp
SATTVA
wipro
ACUITY
zomato
digit
cvent
Optum
IMPENDI
ITC Limited
CUSHMAN & WAKEFIELD
LLOYDS
OLA
KEN RESEARCH
policybazaar
MGH
marico
TEACHFORINDIA
bookmyshow
I-PAC
TOI
BajajCapital
Dabur
Gulf Researcher
ET
RSM
NEROLAC
KANTAR
BYJU'S
The Indian EXPRESS

हमारे उल्लेखनीय पूर्व छात्र

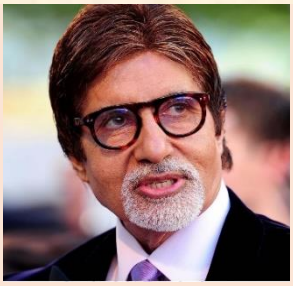

श्री अमिताभ बच्चन
भारतीय अभिनेता

श्री नवीन पटनायक
ओडिशा के मुख्यमंत्री

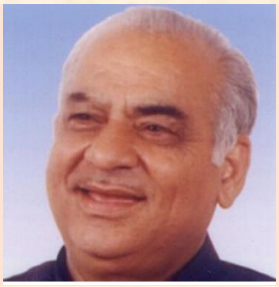

श्री मदनलान खुराना
दिल्ली के पूर्व सीएम

पद्मा बंदोपाध्याय
प्रथम महिला एयर मार्शल

जस्टिस ज्योति सिंह
न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय

कप्तान एम एस कोहली
पूर्व सीमा पुलिस अधिकारी

श्री विकास सहाय
पुलिस महानिदेशक, गुजरात

प्रोफेसर कपिल कुमार
इग्नू के पूर्व वीसी

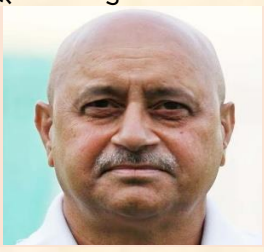

श्री एम.के. कौशिक
होकी खिलाड़ी और कोच

श्री योगेश कथूरिया
एथलीट

श्री प्रवेश वर्मा
सांसद, लोकसभा

श्री शौनक सेन
फ़िल्म निर्देशक

शैक्षणिक कैलेंडर (2023-2024)

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

No. Acad.I/299/Academic Calendar/342

Dated 05.07.2023

NOTIFICATION

In order to give effect to a uniform Academic Calendar, the existing academic calendars for Undergraduate Programmes for the academic session 2022-2023 issued vide notification no. Acad.I/299/Academic Calendar/635 dated 22.06.2022 for semester V, VI, VII and VIII, notification no. Acad.I/299/Academic Calendar/662 dated 24.08.2022 for semester III and IV and notification no. Acad.I/299/Academic Calendar/721 dated 12.10.2022 for Semester I & II stands amended as per the following schedule and consequently the summer vacation has been extended accordingly:

Summer Vacation (semester I&II) Ref.: Notification no. Acad.I/299/Academic Calendar/721 dated 12.10.2022	29th July 2023 to 15th August 2023
Summer Vacation (semester III&IV) Ref.: Notification no. Acad.I/299/Academic Calendar/662 dated 24.08.2022	30th May 2023 to 15th August 2023
Summer Vacation (semester V,VI, VII & VIII) Ref.: Notification no. Acad.I/299/Academic Calendar/635 dated 22.06.2022 for Semester V, VI, VII and VIII	27th May 2023 to 15th August 2023

The following uniform Academic Calendar to be followed for the Undergraduate Programmes for the Academic Year 2023-24, is hereby notified for necessary compliance by all concerned:

Semester I/III/V/VII	
Commencement of classes	16th August, 2023 (Wednesday)
Dispersal of classes, preparatory leave and conduct of practical examinations	6th December, 2023 (Wednesday) to 12th December, 2023 (Tuesday)
Commencement of theory examinations	13th December, 2023 (Wednesday)
Break	1th January,2024 (Monday)
Semester II/IV/VI/VIII	
Commencement of classes	2nd January, 2024 (Tuesday)
Mid Semester Break	24th March 2024 (Sunday) to 31st March 2024 (Sunday) Note: Holi on 25.03.2024(Monday)
Commencement of classes after Mid semester break	1st April, 2024(Monday)
Dispersal of classes, preparatory leave and conduct of practical examinations	29thApril, 2024(Monday) to 8th May, 2024 (Wednesday)
Commencement of theory examinations	9th May, 2024(Thursday)
Summer Vacation	26th May, 2024(Sunday) to 21st July, 2024 (Sunday)

5/7/23

REGISTRAR

Contd.

विवरण-पत्रिका समिति

संयोजक	डॉ. सुमित कुमार शर्मा
सदस्य	श्री राम सुनील लालजी सचिव, कर्मचारी परिषद
सदस्य	डॉ. एस. पी. त्रिपाठी संयोजक, पोर्टल समिति
सदस्य	प्रो. बली सिंह
सदस्य	प्रो. हरीश
सदस्य	डॉ. गौरी गर्ग ढींगरा
सदस्य	डॉ. प्रणव कुमार
सदस्य	श्री स्टैनज़िन दोर्जई
सदस्य	डॉ. सुनीता सिंह
सदस्य	डॉ. ऋतु वार्ष्णेय गुप्ता
सदस्य	सुश्री नीरु

किरोड़ीमल महाविद्यालय ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के दर्शन से अवगत कराने और सम्पूर्ण विश्व में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के आन्दोलन की अलख जगाने के लिए प्रतिष्ठित दिग्गजों की उपस्थिति में G20 पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया और अमिट भूमिका पर प्रकाश डाला। G20 आन्दोलन के लिए हमारे देश के महाविद्यालय ने इस अनुदान कार्यक्रम के प्रारम्भिक शिक्षण अनुभव के लिए अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता सुनिश्चित की है।

किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय,
युनिवर्सिटि एनक्लेव, दिल्ली – 110 007.
011 - 7121 9084, info@kmc.du.ac.in
https://kmc.du.ac.in/
© 2023 किरोड़ीमल महाविद्यालय सर्वाधिकार सुरक्षित